

## डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 9

© 2012, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह ओटी इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र व्याख्यान 9 में इब्राहीम, सदोम और अमोरा, अकेदा या इसहाक के बंधन और जैकब की कहानी की शुरुआत पर डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं।

### ए. प्रश्नोत्तरी पूर्वावलोकन [0:00-1:20]

कक्षा, चलो शुरू करें। अगले सप्ताह के लिए आप संख्याओं की पुस्तक पर काम कर रहे हैं और इसमें संख्याओं के केवल चुनिंदा अध्याय हैं। अंक एक बड़ी पुस्तक है इसके आरंभिक भाग में बहुत सारी वंशावली हैं। हम कुछ वंशावलियों को छोड़ देंगे ताकि आप केवल चयनित मुख्य अंश ही पढ़ेंगे। वहाँ एक लेख होगा, मुझे नहीं पता कि यह *हमारे पिता इब्राहीम* और स्मृति छंद है या नहीं। वह अगले गुरुवार के लिए होगा और उसके बाद गुरुवार को हमारी पहली परीक्षा होगी। हमारी परीक्षाएं हमारी क्लिज़ से भिन्न हैं। व्याख्यानों और स्मृति श्लोकों में हम जो बातें करते हैं, परीक्षाएँ समाप्त हो जाती हैं। स्मृति छंदों के बारे में मत भूलिए, वे वापस आएंगे, वापस आएंगे और वापस आएंगे। व्याख्यानों के बारे में अवश्य सोचें। यदि आप केवल उसकी तैयारी के लिए उन पर नज़र डालना चाहते हैं तो कुछ पुरानी अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ हैं। वह अगले गुरुवार के बाद का सप्ताह होगा।

### बी. अब्राहम: वह मेरी बहन है [1:21-6:32]

हम आज उत्पत्ति की पुस्तक के एक समूह को आगे बढ़ाने का प्रयास करने जा रहे हैं। हम इब्राहीम से निपटने जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम इब्राहीम से बाहर निकलकर याकूब और इसहाक में पहुँचेंगे। इसलिए हम बहुत तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। आज हम जो सामग्री कवर करेंगे उनमें से कुछ काफी पेचीदा होंगी इसलिए मैं उस पर आपका धैर्य चाहता हूँ। आप वास्तव में इन चीज़ों के सभी पक्षों पर चर्चा नहीं कर सकते क्योंकि ये जटिल मुद्दे हैं। हम अब्राहम से शुरुआत करेंगे। इब्राहीम के जीवन में चार प्रश्न आते हैं जिन पर मैं चर्चा करना चाहता हूँ। उनमें से एक अध्याय 12 और 20 में आता है। वह ऐसा दो बार करता

है, वह कहता है "वह मेरी बहन है।" सारा बहुत खूबसूरत हैं और वह 75 साल की हैं, तब यह अलग रहा होगा। इसलिए राजा उस पर प्रहार करने जा रहा है। तो "राजा से कहो कि तुम मेरी बहन हो ताकि वह मुझे न मारे।" तो यह बात सामने आती है। फिर बाद में फिर वही होता है, "कहो कि तुम मेरी बहन हो और मुझे छोड़ दो।" अध्याय 12 में यह फिरौन है और बाद में यह है पलिशियों का अबीमेलेक। इस "तुम मेरी बहन हो" वाली दिनचर्या से क्या हो रहा है? यह कुछ दिलचस्प है। क्या सभी को याद है कि इसहाक ने रिबका के साथ भी ऐसा ही किया था ( अध्याय 26)? सेब पेड़ से नहीं गिरता। आप ऐसा होते हुए देखते हैं, एक ही कहानी तीन बार घटती है। हर कोई कहता है कि यह झूठ नहीं था क्योंकि वह इब्राहीम की सौतेली बहन थी, लेकिन क्या इसका मतलब धोखा देना था? मैं यह कहने जा रहा हूँ कि इब्राहीम झूठ बोल रहा था।

ऐसा क्यों है कि हर कोई बहन से शादी करना चाहता है? कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह कुछ निकट पूर्वी रीति-रिवाजों पर आधारित है, जब आप किसी चीज़ को बार-बार घटित होते हुए देखते हैं जिसका हम उपयोग नहीं करते हैं, तो संदेह करें कि यह एक सांस्कृतिक मुद्दा हो सकता है। मुझे लगता है कि आपके यहां क्या हो रहा है, और इसे देखने के विभिन्न तरीके हैं, रीति-रिवाजों के विभिन्न सेट हैं जिन्हें इस मार्ग पर लागू किया जा सकता है। डॉ. गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर, वैसे, यदि आप जेनेसिस की वेबसाइट पर जाएं तो उनके पास जेनेसिस की पुस्तक पर 48 उपदेश हैं। पार्क स्ट्रीट चर्च के डॉ. गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर संभवतः सबसे महान प्रचारकों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी सुना है। वह बिल्कुल अविश्वसनीय है। इस पर उनकी अलग राय है, लेकिन मुझे लगता है कि जो हो रहा है वही आपके पास है अबीमेलेक और फिरौन ने इस आदमी को इस महिला के साथ आते देखा। क्या प्राचीन विश्व में एक महिला को एक रक्षक की आवश्यकता थी? आधुनिक समय में भी कभी-कभी महिलाओं को संरक्षक की आवश्यकता होती है। मुझे लगता है कि हुआ यह कि वह अपने आप में एक महिला है। और हुआ यह था कि एक पुरुष एक महिला को अकेले देखता था और उसके पास आता था और उसे "बहन" के रूप में अपनाता था। इसका मतलब है कि वह साथ आएगा और रक्षक भाई बनेगा और क्या होगा जब उसकी शादी होगी, रक्षक भाई

को दहेज मिलेगा। वह उसकी रक्षा करता है, उसकी शादी होती है और उसे पैसे मिलते हैं। तो आप देख सकते हैं कि दोनों को कैसे फायदा होगा। इसलिए जब इब्राहीम कहता है, "वह मेरी बहन है।" राजा कहता है, "ठीक है, यह लड़का शायद उससे शादी करना चाहता है इसलिए मैं उसे अपने हरम में ले जाऊंगा, और फिर इस लड़के को भुगतान कर दूंगा।" तो संभवतः यही हो रहा है।

क्या भगवान सारा की रक्षा करते हैं? अब मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि सारा ने जो किया वह सही था या गलत, लेकिन शायद उस संस्कृति में यह कुछ ऐसा है जो आपने अपनी जान बचाने के लिए किया। ऐसा लगता है कि जब वह हरम में गयी तो भगवान ने उसकी रक्षा की। तुम्हें याद है एक राजा ने रात में एक सपना देखा था जहाँ भगवान कहते हैं, "यदि तुम उसे छूओगे तो तुम एक मृत व्यक्ति हो जाओगे।" वह आदमी बाहर आता है और इब्राहीम से कहता है, "अरे, तुमने कहा था कि यह तुम्हारी बहन थी, यह बिल्कुल वैसी ही बहन है जो तुम्हें यहाँ मिल गई है दोस्त," और यह बस ऐसे ही चला जाता है। परमेश्वर सारा की रक्षा क्यों करना चाहेगा? इसहाक नामक बच्चे को कौन जन्म देगा और यदि उसने फिरौन या अबीमेलेक के साथ खिलवाड़ किया तो बच्चा इब्राहीम का नहीं होगा। तो दोनों ही मामलों में भगवान उससे उसकी रक्षा करते हैं ताकि यह जाना जा सके कि यह इब्राहीम का बच्चा है। इसलिए मुझे लगता है कि ईश्वर वहाँ कदम रख रहा है और इसहाक के माध्यम से आने वाली रेखा के कारण उसकी रक्षा कर रहा है।

कुछ दिलचस्प कहानियाँ हैं, इस बहन को गोद लेने और उसकी रक्षा करने और फिर उससे शादी करने की प्रथा। मुझे लगता है कि यह उस संस्कृति का हिस्सा था, आज भी आपके पास ऐसे बिंदु हैं जहाँ महिलाओं को संरक्षक की आवश्यकता होती है। लेकिन आप कहते हैं, महिलाएं हर तरह से पुरुषों जितनी ही अच्छी होती हैं। मेरी पत्नी कार को ऑटो मैकेनिक के पास ले जाती है, क्या यह उस समय से अलग है जब मैं इसे ले जाता हूँ? हाँ, ऐसा ही है, बस यही तरीका है। तो, वैसे भी, आप कहते हैं कि आपके पास एक महान मैकेनिक है; वैसे मुझे ऐसे बहुत सारे मैकेनिक नहीं मिल पाए हैं।

**सी. दिव्य यात्रा: आतिथ्य के नियम** [6:33-13:03]

अध्याय 18 में, तीन लोग अब्राहम के घर आने वाले हैं। ये तीन लोग आते हैं, और मुझे इस पर थोड़ा काम करने दीजिए। अध्याय 18 श्लोक 1: “इब्राहीम मग्रे के बड़े वृक्षों के पास, जब वह दिन की गर्मी में अपने तम्बू के द्वार पर बैठा था, तब यहोवा ने उसे दर्शन दिए। इब्राहीम ने नज़र उठाकर देखा तो पास ही तीन आदमी खड़े थे। जब उसने उन्हें देखा, तो वह उनसे मिलने के लिए अपने तम्बू के प्रवेश द्वार से जल्दी से निकला और ज़मीन पर गिरकर दण्डवत् किया।” फिर, वह क्या करता है? वह लोगों को अपने तंबू में आमंत्रित करता है और उनके पैर धोता है। फिर वही है जो तुमने रेगिस्तान में आने वाले लोगों के साथ किया। आपने उन्हें अपने तंबू में आने की अनुमति दी। इन्हें "आतिथ्य के नियम" कहा जाता है। रेगिस्तान में आतिथ्य के ये नियम सचमुच बहुत बड़े हैं।

एक बार की बात है, मुझे लगता है कि यह लगभग तीन रातों के लिए था, और बेडौइन संदर्भ में रुका था। यह एक बेडौइन तम्बू था और उनके पास बेडौइन ऊंट थे। तो हमें इन ऊंटों की सवारी करनी है। एक रात वह आदमी चला गया और उसने यह छोटी सी वीणा बजाई और बेडौइन साथी लगभग तीन घंटे तक ऊंट चुटकुले सुनाता रहा। मैं बस यह नहीं जानता था कि आप ऐसा कर सकते हैं। लेकिन यह व्यक्ति अपने प्रत्येक ऊंट का वर्णन करने लगा, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तित्व अलग था। अगर आपको कभी ऊंट की सवारी करने का मौका मिले तो मैं कहना चाहूँगा कि घोड़े भी इतने ही चौड़े होते हैं और ऊंट भी इतने ही चौड़े होते हैं। इसलिए जब आप ऊंट की सवारी करते हैं, तो मैं काफी हद तक तायक्वोंडो करता था, लेकिन जब आप इनमें से किसी एक ऊंट पर चढ़ने की कोशिश करते हैं तो यह बहुत बड़ा होता है, इसलिए 45 मिनट तक आप बंट जाते हैं, चाहे आप बंटना चाहें या नहीं। तो जब आप उतरते हैं, तो क्या आपने कभी वे काउबॉय फिल्मों देखी हैं जिनमें लड़के पैर झुकाकर चल रहे हैं? 45 मिनट के बाद जब मैं ऊंट से उतरा तो मैं अपने पैर सीधे नहीं कर पा रहा था।

वैसे तो ऊंटों का व्यक्तित्व अलग-अलग होता है। ऊंटों के बारे में बस एक और कहानी और फिर हम बेडौइन पर वापस आएँगे। जब आप ऊंट पर चढ़ते हैं, तो वे घुटनों के बल बैठ जाते हैं और अपनी पूँछ को ऊपर की ओर धकेलते हैं, इसलिए आप इस चीज़ पर

हैं और यह आपको आगे की ओर फेंक देगा जैसे कि आप दूर जा रहे हों और फिर सामने वाला सामने आ जाएगा और आप ऐसा करेंगे। ऊपर रहो। वैसे जब आप ऊँट पर चढ़ते हैं तो क्या ऊँट भी वहाँ ऊपर होते हैं? आप ऊँचे हैं। इसलिए मैं अपने ऊँट पर चढ़ जाता हूँ और मैंने उन्हें पहले भी देखा है इसलिए मैं आगे बढ़ता हूँ और फिर पीछे की ओर बढ़ता हूँ। खैर, मेरा यह दोस्त था, खैर वह वास्तव में दोस्त नहीं था, लेकिन वह दक्षिणी बैपटिस्ट लड़का था और वह लगभग 6'4 का था और उसका वजन लगभग 350 पाउंड था। वह एक बड़ा लड़का था। ठीक है, मैंने आपको बताया था कि इन ऊँटों में व्यक्तित्व होते हैं, इसलिए यह बड़ा सा दक्षिणी बैपटिस्ट लड़का इस ऊँट की पीठ पर चढ़ जाता है और आप देख रहे हैं, और हम ऊपर जाते हैं, और फिर अचानक वह ऊपर जाता है और आप इस तरह के ऊँट को देखते हैं जाने का "यह लड़का थोड़ा भारी है, मैं उसे अपने साथ नहीं ले जाना चाहता!" तो यह ऊँट बगल में लुढ़कता है और इस आदमी को एकदम से लुढ़का देता है और फिर सीधा खड़ा हो जाता है। ऊँट इस तरह देखता है मानो कह रहा हो, "यार, तुम इस पीठ के लिए बहुत बड़े हो!" तो उसने उसे रोल किया और हमें इस पर खूब हंसी आई।

बेडौइन में वापस जाने पर, उनके पास आतिथ्य के ये नियम हैं। तो वहाँ मौजूद बेडौइन कहता है, "तो आप नश्वर दुश्मन हैं जो आपके डेरे के दरवाजे पर आते हैं, रेगिस्तान में आतिथ्य के नियम गंभीर हैं। रेगिस्तान में, लोग पानी के बिना मर जाते हैं, लेकिन भले ही वह आपका नश्वर दुश्मन हो, आपको अपने नश्वर दुश्मन को तीन दिनों तक खाना खिलाना और घर में रखना होगा। अब आप उसे खाना खिलाएं और तीन दिन तक घर में रखें और फिर उसे मार डालें। लेकिन आतिथ्य सत्कार का यह नियम आपको तीन दिन तक करना होगा। इसलिए जब आप रेगिस्तान में हों तो आपको आतिथ्य के नियमों का पालन करना होगा और जरूरतमंद लोगों की मदद करनी होगी। क्या इसका कोई मतलब है कि वे रेगिस्तान में एक साथ कैसे काम करते हैं? समुदाय में कठिनाई उत्पन्न होती है।

वैसे, आप लोग यह जानते हैं, अफगानिस्तान में एक लड़ाई हुई थी, यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई थी, मुझे लगता है कि यह लगभग 10,000 या 11,000 फीट पर थी। वहाँ ये नेवी सील थे और हुआ यह कि वे तालिबान से घिर गए और पानी से बाहर निकल

गए। तो हुआ यह कि तालिबान ने मूल रूप से उनमें से सर्वश्रेष्ठ हासिल कर लिया और उनमें से तीन मारे गए और उनमें से एक को गोली मार दी गई और वह उत्तरी अफगानिस्तान के इस शहर में रेंग गया। जब वह वहां पहुंचे, तो वे उन्हें वहां शेख नहीं कहते थे, यह अरब शब्द है, मुझे यकीन नहीं है कि पश्तून उन्हें क्या कहते हैं। मेरा बेटा उन्हें बुजुर्ग कहता है, लेकिन मैं पश्तून शब्द नहीं जानता। वैसे भी, वे शहर के बुजुर्गों के पास आते हैं, और यह आदमी गोली लगाने के बाद रेंगता हुआ आता है, और बुजुर्ग उसे देखने के लिए आते हैं और एक बार जब वह शहर में होता है और बुजुर्ग द्वारा उस शहर में रहने की मंजूरी दे दी जाती है, तो वह उस शहर में आ जाता है उसकी रक्षा करनी है? यह उनके कानूनों का हिस्सा है। तालिबान ने उसका पीछा किया और शहर में पहुंचे और कहा, "अरे, तुम्हें वहां एक अमेरिकी मिला है।" क्या बुजुर्ग ने उस आदमी की रक्षा के लिए तालिबान से लड़ाई की होगी और उसके शहर के आधे हिस्से को नष्ट कर दिया होगा? हाँ, उसने किया होगा। एक बार जब आप उनके क्षेत्र में पहुंच जाते हैं तो ऐसा लगता है कि हमें इस आदमी की रक्षा करनी है। आतिथ्य के इन कानूनों के कारण इस व्यक्ति की रक्षा की गई। क्या वह बच गया? हाँ वह था। पिछली कक्षा के एक छात्र के पास वास्तव में किताब है क्योंकि उस लड़के ने एक किताब लिखी थी। उसे बहुत बुरी तरह से गोली मार दी गई थी और वह उत्तरी अफगानिस्तान में था। किताब का नाम है *द लोन सर्वाइवर*। मेरा कहना यह है कि क्या अफगानिस्तान में कानून अभी भी बाइबिल के समय की तरह काम कर रहे हैं? मेरा मतलब है कि यह वास्तव में आश्चर्यजनक है क्योंकि आप हजारों साल पीछे जाते हैं और आतिथ्य के इन नियमों के संदर्भ में वे अभी भी चीजें बहुत समान कर रहे हैं।

यहाँ क्या होता है अब्राहम इन लोगों को स्वीकार करता है, वे उन्हें खाना खिलाते हैं, वह उनके पैर धोते हैं, और फिर ये लोग अब्राहम की ओर मुड़ते हैं और कहते हैं, "अब्राहम, सारा को बच्चा होने वाला है।" सारा क्या करती है? वह हंसती है और इसलिए बाद में उन्होंने बेटे का नाम "हँसी" या इसहाक रखा जिसका अर्थ है "हँसी।"

### डी. सदोम और लूत [13:04-13:44]

तीनों लोग वहाँ हैं और नीचे मृत सागर की ओर देखने लगते हैं। फिर उन्हें आश्चर्य

हुआ कि क्या उन्हें इब्राहीम को बताना चाहिए कि वे क्या करने जा रहे हैं। खैर, इब्राहीम कई राष्ट्रों का पिता बनने जा रहा है इसलिए हमें शायद उसे बताना चाहिए कि हम क्या करने जा रहे हैं। तो वे कहते हैं, “ठीक है, इब्राहीम, हम वहाँ जा रहे हैं और सदोम और अमोरा को धूम्रपान करेंगे। हम सदोम और अमोरा को नष्ट करने जा रहे हैं।” अब इसमें इब्राहीम को क्या परेशानी है? वहाँ सदोम में कौन है? उसका भतीजा, लूत, अपने बच्चों, अपनी भतीजियों के साथ वहाँ है। तो क्या इब्राहीम को कोई समस्या है? वे वहाँ जा रहे हैं और शहर को उड़ा देंगे और इब्राहीम सोचता है कि लूत की खातिर मुझे इसे रोकने की ज़रूरत है।

### **ई. एक संवादात्मक ईश्वर के साथ वस्तु विनिमय** [13:45-17:53]

तो नीचे अध्याय 18 श्लोक 20 में कहा गया है, "तो प्रभु ने कहा, 'सदोम और अमोरा के विरुद्ध आक्रोश इतना बड़ा है, और उनका पाप इतना गंभीर है, कि मैं नीचे जाऊंगा और देखूंगा कि उन्होंने जो किया है वह उतना ही बुरा है जो आक्रोश मुझ तक पहुंचा है. यदि नहीं, तो मुझे पता चल जाएगा।' फिर वह सदोम की ओर मुड़ जाता है। जो उनके रास्ते में कूदता है और कहता है, "एक मिनट रुकिए, आप वहां जाकर उन्हें इस तरह से उड़ा नहीं सकते।" तब इब्राहीम यहोवा के साम्हने खड़ा रहा, और पूछा, क्या तू दुष्टों के साथ धर्मियों को भी नाश करेगा? क्या आप देखते हैं कि इब्राहीम इन बातों को कैसे लागू कर रहा है क्योंकि वह जानता है कि प्रभु धर्मियों का सम्मान करता है? तो वह पूछता है, “क्या होगा यदि वहां धर्मी लोग हों? क्या आप वहां मौजूद इन लोगों को धूम्रपान से बाहर निकाल देंगे या उड़ा देंगे, भले ही वहां धर्मी लोग हों? यदि वहाँ पचास धर्मी लोग हों तो क्या होगा?” अब उस संस्कृति में क्या वे चीज़ों का आदान-प्रदान करते हैं? जब आप यरूशलेम के पुराने शहर में होते हैं तो आप अंदर आते हैं और वे तुरंत कहते हैं, "ओह, अमेरिका से मेरे दोस्त, आज आपके लिए विशेष कीमत है मेरे दोस्त।" फिर वे आपको इसकी वास्तविक कीमत से तीन गुना अधिक कीमत बताते हैं, "सिर्फ आपके लिए विशेष कीमत।" क्या आप उस लड़के से बातचीत करते हैं? आप इस आदमी का सौदा आधी कीमत पर कर देते हैं और आप यह सोचते हुए वहां से चले जाते हैं, "यार, मैंने उसे आधी कीमत पर खरीद लिया, मुझे सौदा मिल गया!" वह यह कहते हुए चला जा रहा है, "मुझे वह लड़का मिल गया।" लेकिन यह इसी तरह से काम

करता है, आप वहां हर चीज का आदान-प्रदान करते हैं। मेरे पास लड़के हैं, मुझे यह कैसे कहना चाहिए? उदाहरण के लिए, मेरी पत्नी को ऊँट पर चढ़ना पड़ा, बस इतना खर्च हुआ कि आदमी ने उसके पैर को थोड़ा पकड़ लिया ताकि वह ऊँट पर चढ़ सके, ऊँट पर चढ़ने के लिए उसे यही करना पड़ा। मेरे पास एक आदमी ने प्रस्ताव रखा था, मुझे लगता है कि यह मेरी पत्नी के लिए 3 ऊँट थे और मैंने उससे कहा, "नहीं, मुझे कम से कम 5 चाहिए थे।" मेरे साथ भी ऐसा हुआ है कि कुछ लोगों ने मुझे अपनी बेटियाँ बेचने की कोशिश की, और यह सच है, उन्होंने मुझे अपनी बेटियाँ बेचने की कोशिश की, लेकिन यह सिर्फ संस्कृति का हिस्सा है। आपको इसके साथ रोल करना होगा. मैं वहां लंबे समय तक रहा, मैं वहां एक साल तक रहा और हम बेडौइन के साथ लगभग 3 सप्ताह तक सिनाई में रहे, लेकिन वहां हर जगह वस्तु विनिमय था।

इब्राहीम कहता है, "हे परमेश्वर, यदि वहां 50 धर्म हैं, तो क्या तू उन 50 धर्मियों को नाश करेगा?" भगवान कहते हैं, "ठीक है, मैं पचास धर्मियों के लिए ऐसा नहीं करूंगा।" तो इब्राहीम कहता है, "अच्छा, 45 के बारे में क्या?" वह भगवान के साथ बार-बार बातचीत करता है और अंत में वह कहता है, "क्या आप 10 धर्मियों के लिए शहर को नष्ट कर देंगे? और भगवान कहते हैं, "ठीक है, अगर तुम 10 धर्मियों को ढूंढ सको तो मैं शहर को नष्ट नहीं करूंगा।" इब्राहीम की चिंता क्या थी? इब्राहीम की चिंता लूट थी। क्या ईश्वर इब्राहीम की चिंता का ध्यान रखेगा? हां, लेकिन क्या वह भी अपनी चिंता का ख्याल रखेगा और फिर भी शहर को धूम्रपान करेगा? हाँ, तो वह उसे घटाकर 10 कर देता है।

मैं बस इब्राहीम और इन स्वर्गदूतों के बीच की बातचीत को देखना चाहता हूँ और यह स्वयं भगवान के रूप में सामने आता है। क्या यह वास्तविक बातचीत है? क्या ईश्वर और ये देवदूत वास्तव में इब्राहीम के साथ बातचीत कर रहे हैं या क्या ईश्वर को पता था कि वह क्या करने जा रहा है और वह सिर्फ इब्राहीम के साथ खेल खेल रहा है? मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि मुझे लगता है कि यह एक वास्तविक बातचीत है। मुझे लगता है कि यहां आपके पास इन दिव्य प्राणियों के साथ बातचीत करने वाला एक वास्तविक इंसान है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि पूर्वज्ञान आपको इससे बाहर निकालता है। खैर, वह जो करने

जा रहा था वह वही है जो वह हमेशा से करता आ रहा था, लेकिन इससे समस्या का समाधान नहीं होता। मुझे लगता है कि यह एक इंसान के बीच एक वास्तविक और वैध बातचीत है, इस संदर्भ में, उसने उसे 10 तक कम कर दिया। मुझे नहीं लगता कि पूर्वज्ञान इसका कारण बनता है, मुझे लगता है कि यह एक वास्तविक बातचीत है, लेकिन आपको सावधान रहना होगा।

### **एफ. एंथ्रोपोमोर्फिक और एंथ्रोपोपैथिक भाषा? [17:54-21:19]**

मैं आप लोगों को दो शब्दों से परिचित कराना चाहता हूँ। क्या यह केवल मानवरूपी भाषा है? अब मानवरूपी क्या है? क्या किसी को पता है *एंथ्रोपोस* का मतलब क्या होता है? क्या मेरा कोई यूनानी छात्र यहाँ है? *एंथ्रोपोस* का अर्थ है "लोग, मनुष्य और मानव जाति," उस तरह की चीज़। *एंथ्रोपोस* मानव जाति है और "रूपी" है, जब कोई चीज़ इसे रूपांतरित करती है तो क्या? यह रूप बदलता है। *मानवरूपी* का अर्थ है कि आप ईश्वर को मानवीय रूप में चित्रित कर रहे हैं। मुझे बस आपके लिए यह करने दीजिए। पवित्रशास्त्र कहता है, "प्रभु की दृष्टि सारी पृथ्वी पर इधर-उधर दौड़ती रहती है।" क्या परमेश्वर की दृष्टि उन पर है कि वे सारी पृथ्वी पर इधर उधर दौड़ते रहते हैं? जब आप निर्गमन की पुस्तक में पढ़ते हैं तो यह प्रभु के हाथ, उनके शक्तिशाली हाथ और फैली हुई भुजा के बारे में बात करता है। यह ईश्वर के बारे में बात करने के लिए मानवीय शब्दों का उपयोग करता है। इसे आप "मानवरूपी" कहते हैं जब कोई ईश्वर की आंखों, उसके मुँह और उसके चेहरे के बारे में बात करते समय मानवीय शारीरिक शब्दों का उपयोग करता है। एक ऐसा व्यक्ति है जिसे मैं जानता हूँ जिसने ईश्वर के चेहरे और ईश्वर की उपस्थिति पर, ईश्वर को आमने-सामने देखकर एक पूरी किताब लिखी है।

एंथ्रोपोपैथिक अलग है। *एंथ्रोपोस* मानव जाति है, आप इसे फिर से देख सकते हैं, लेकिन रूप में, एंथ्रोपोमोर्फिक के बजाय, यह है मानवशास्त्रीय। इसका मतलब है कि भगवान को मानवीय भावनाओं और करुणा के साथ चित्रित किया गया है। अब तक आपने पुराना नियम काफी पढ़ लिया है; क्या आपने भगवान को क्रोधित होते देखा है? हाँ। वैसे कुछ लोग कहते हैं, "भगवान वास्तव में क्रोधित नहीं होते, वह भगवान हैं और उनमें

मानवीय भावनाएँ नहीं हैं।" मैं आपको सुझाव देना चाहता हूँ कि यह बहुत संभव है कि भगवान के पास भावनाएं हों। हम ईश्वर को मानवीय रूप में चित्रित कर रहे हैं, लेकिन, क्या हमारे पास ऐसा करने का कोई आधार है? हम किसकी छवि में बने हैं? हम उनकी छवि में बने हैं, इसलिए मैं सुझाव देना चाहूंगा कि बहुत संभव है कि भगवान के पास भावनाएं हों। क्या ईश्वर में प्रेम और करुणा की भावनाएँ हैं? हम ईश्वर का प्रेम और करुणा देखते हैं और हम ईश्वर का क्रोध भी देखते हैं।

एन्थ्रोपोमोर्फिक का अर्थ है कि उसे मानवीय रूप में चित्रित किया गया है, जैसे भगवान के हाथ और भगवान का चेहरा, मानव भौतिक रूप में। रूप का अर्थ है "रूप।" एन्थ्रोपोपैथिक में ईश्वर को प्रेम, करुणा और क्रोध जैसी मानवीय भावनाएँ देने का वर्णन किया गया है।

उत्पत्ति 6 में यह कहा गया है, "और प्रभु ने दुःखी किया क्योंकि उसने मनुष्य को बनाया," इस कक्षा में एक बहुत अच्छी टिप्पणी की गई थी कि ईश्वर पूरी मानव जाति को नष्ट करना चाहता है। हमें दूसरे संदर्भ में उस पर वापस आने की जरूरत है। भगवान दुःखी थे यह एक मानवशास्त्रीय वर्णन है।

कुछ लोग यह सुझाव देना चाहते हैं कि ईश्वर वास्तव में इब्राहीम के साथ सौदेबाजी नहीं कर रहा है बल्कि उसे ऐसा करने के लिए चित्रित किया जा रहा है। यह कोई वास्तविक चीज़ नहीं है, भगवान जानता है कि वह क्या करने जा रहा है और यह वास्तविक नहीं है। यह सिर्फ ईश्वर को मानवीय संदर्भ में चित्रित किया गया है। मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि यह वास्तविक है और भगवान वास्तव में मानव जाति के साथ बातचीत में प्रवेश करते हैं।

### **जी. क्या कोई इंसान ईश्वर पर प्रभाव डाल सकता है?** [21:20-22:13]

इससे एक प्रश्न उठता है: क्या कोई मनुष्य ईश्वर पर प्रभाव डाल सकता है? याद रखें हमने उत्पत्ति 6 में देखा था, भगवान के पुत्र पुरुषों की बेटियों से शादी करते थे और हमने *हमास को देखा*, पृथ्वी पर हिंसा थी। क्या उन लोगों ने परमेश्वर का क्रोध और उसका दुःख बढ़ाया? हाँ। तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि मनुष्य ईश्वर पर प्रभाव डाल सकता है और यह मेरे लिए बहुत अविश्वसनीय है कि ईश्वर स्वयं को पृथ्वी पर होने वाली घटनाओं से

प्रभावित होने की अनुमति देता है। वह वास्तव में इसमें शामिल है और वह वास्तव में इसकी परवाह करता है। यदि वह परवाह करता है, तो वह इसमें शामिल होगा और इसका उस पर अच्छा या बुरा, क्रोध या प्रेम, दया या जो भी प्रभाव पड़ेगा। मैं बस इंसानों की भगवान को प्रभावित करने की क्षमता के बारे में बात उठा रहा हूँ। जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो यह अविश्वसनीय लगता है।

### **एच. सदोम और अमोरा: समलैंगिक बलात्कार** [22:14-42:35]

अब, अगला अधिक कठिन होने वाला है, और हमारे पास यहां चर्चा करने के लिए कुछ कठिन चीजें होंगी। इसलिए वे अध्याय 19 में सदोम और अमोरा में जाते हैं, "दो स्वर्गदूत सांझ को सदोम में आए, और लूत नगर के प्रवेश द्वार पर बैठा था, जब उसने उन्हें देखा तो वह उनसे मिलने के लिए उठा और उसने उन्हें प्रणाम किया भूमि की ओर मुख करके, 'हे मेरे प्रभु,' उसने कहा, 'अपने सेवक के घर की ओर मुड़ो, तुम अपने पैर धो सकते हो और रात बिता सकते हो, और फिर सुबह जल्दी अपने रास्ते पर जाना।' 'नहीं,' उन्होंने कहा, 'हम रात चौक में बिताएँगे।'" अब क्या लूत चाहता है कि वे रात चौक में बिताएँ? नहीं, क्योंकि लूत जानता है कि वहाँ क्या चल रहा है। तो लूत ने उन्हें धक्का दिया और यह कहता है कि उसने इतनी दृढ़ता से आग्रह किया कि वे उसके साथ उसके घर तक चले गए। वह जोर देकर कहते हैं, आप चौक में बाहर नहीं रह सकते। इसलिए वे उसके घर में आते हैं और वह उनके लिए भोजन तैयार करता है, दिलचस्प बात यह है कि वह बिना खमीर की रोटी पकाता है।

इससे पहले कि वे सो जाएँ, सदोम के हर हिस्से से हर आदमी, जवान और बूढ़े दोनों ने घर को घेर लिया। उन्होंने लूत को पुकारकर कहा, "वे मनुष्य जो आज रात तुम्हारे पास आये हैं वे कहाँ हैं? उन्हें हमारे पास लाओ।" मैं यहां किंग जेम्स का उपयोग करूंगा: "उन्हें बाहर लाओ ताकि हम उन्हें 'जान' सकें।" ठीक है, तो जब पवित्रशास्त्र कहता है कि उन्हें "जानें" तो यह वैसा ही है जैसे एक आदमी अपनी पत्नी को जानता है। क्या आप जानते हैं कि व्यंजना क्या है? "यू" का अर्थ है अच्छा "पेमे" ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है "बोलता है।" इसलिए व्यंजना वह है जब आप किसी ऐसी चीज़ के बारे में कुछ अच्छा कहते हैं जो वास्तव

में अच्छी नहीं है। तो मूल रूप से जब वे कहते हैं, "उन्हें बाहर लाओ ताकि हम उन्हें जान सकें," वास्तव में एनआईवी इसका सही अनुवाद करता है, "उन्हें बाहर लाओ ताकि हम उनके साथ यौन संबंध बना सकें।"

यह इस मुद्दे को उठाता है, जो एक बहुत ही कठिन मुद्दा है, लेकिन वास्तव में यहां मुद्दा आतिथ्य का है। ये लोग अपने शहर में आने वाले इन आगंतुकों के साथ सत्कार नहीं करते थे, और इसलिए उनकी आतिथ्य सत्कार के लिए उनकी निंदा की जाती है। सदोम का पाप यही था, यह आतिथ्यहीनता। मैंने अभी आपको जो बताया वह इस परिच्छेद की समलैंगिक व्याख्या है। इसका समलैंगिकता से कोई लेना-देना नहीं था, इसका सब कुछ आतिथ्य सत्कार से था। अब जब आपने वह अंश पढ़ा तो क्या आपने आतिथ्य सत्कार के बारे में सोचा? आप कहते हैं, "हाँ, वे सचमुच मेहमाननवाज़ थे!" नहीं! क्या यह मूलतः समलैंगिक बलात्कार है? तो क्या होता है ये लोग--ठीक है, मुझे बस यहां पाठ पढ़ने दीजिए: "ये लोग कहां हैं जो आज रात आपके पास आए? उन्हें हमारे पास बाहर ले आओ ताकि हम उन्हें पहचान सकें।" लूत उनसे मिलने के लिए बाहर गया और दरवाज़ा बंद कर लिया और कहा, "नहीं, मेरे दोस्तों, यह दुष्ट काम मत करो। देखिये, मेरी दो बेटियाँ हैं जो कभी किसी पुरुष के साथ नहीं सोयीं।" आपमें से कितने लोग इसे याद रखते हैं और बस घबरा जाते हैं? क्या आप बस इतना कहते हैं, "पवित्र गाय, इस आदमी की दो बेटियाँ हैं और वह उन्हें इन भेड़ियों के लिए छोड़ देगा?" "इन लोगों के साथ कुछ मत करो क्योंकि वे मेरी छत के नीचे मेरी शरण में आये हैं।" दूसरे शब्दों में, जब उसके घर मेहमान आते थे, तो क्या उसे अपने मेहमानों की सुरक्षा अपने परिवार के सदस्यों से अधिक करनी पड़ती थी? वह रिवाज का हिस्सा था। अफ़ग़ानिस्तान का वह आदमी याद है? वे अपने परिवारों की बजाय उसकी रक्षा के लिए मौत तक लड़ते। तो यहाँ

यह एक बहुत बड़ी दिलचस्प प्रतिक्रिया है। तो वह कहता है कि तुम मेरी बेटियाँ पा सकते हो। क्या यही समस्या है? पिता अपनी बेटियों के लिए क्या करते हैं? क्या पिता अपनी बेटियों की रक्षा करते हैं? तुम मेरी बेटियों के साथ खिलवाड़ मत करो. आप आना चाहते हैं और मेरी बेटियों से आपसे शादी करने के लिए कहना चाहते हैं, आपको आकर बूढ़े आदमी से

बात करनी होगी। जब आप बूढ़े आदमी से बात करते हैं, तो बूढ़ा आदमी अपनी कुर्सी पर बैठता है और आप वहाँ बैठे होते हैं। बूढ़ा व्यक्ति गैर-मौखिक संचार में विश्वास करता है और इसलिए उसके पीछे यह छोटी सी चीज़ बैठी है, इस पर एक छोटी सी "चा-चिन्क" चीज़ है, और यह उसके ठीक पीछे बैठी है। और मुद्दा यह है कि, आप मुझसे मेरी बेटियों के बारे में पूछते हैं और गैर-मौखिक व्यवस्था मौजूद है। अब, वैसे, संवाद करने का क्या मतलब है? यदि तुम मेरी बेटियों के साथ खेलवाड़ करते हो तो क्या तुम मेरे साथ खेलवाड़ करते हो? हाँ! क्या आप जानते हैं 12 गेज क्या है? मैं गंभीर हूँ कि आप मेरी बेटियों के साथ खेलवाड़ न करें। मेरी दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है और उन दोनों ने बहुत अच्छे लड़कों से शादी की है, मेरी उम्मीद से भी बेहतर। आपको बस पैरामीटर सेट करना होगा। तो मैं जो कह रहा हूँ वह उसकी बेटियों को वहाँ से हटाने की धारणा है, वह ऐसा क्यों करेगा? इसका एक हिस्सा ये आतिथ्य कानून होंगे और उसे मेहमानों की सुरक्षा करनी होगी। क्या यह संभव है, और यह मेरी ओर से सिर्फ एक अनुमान है, कि इन लोगों के साथ समलैंगिक कृत्य करने की तुलना में उनकी बेटियों का उल्लंघन करना उनके लिए कम पाप होगा? कुछ लोगों ने ऐसा सुझाव दिया है। आपके यहां जो कुछ है वह मूलतः समलैंगिक बलात्कार है।

अब स्वर्गदूतों का क्या होगा? आप स्वर्गदूतों के साथ खेलवाड़ करते हैं और अचानक ये लोग अंधे हो जाते हैं। आप उनके साथ खेलवाड़ नहीं कर सकते। क्या समलैंगिक कार्य पाप हैं? और अब मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि, मुझे पता है कि आप में से कई लोगों को पर्यावरण में प्रशिक्षित किया गया है और मुझे पता है कि आज स्कूल का वातावरण बच्चों को प्रशिक्षित कर रहा है, किंडरगार्टन से बच्चों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित कर रहा है कि यह सब ठीक है। और मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि जो मैं अभी आपसे कह रहा हूँ, 15 वर्षों में उसे अमेरिका में नफरत फैलाने वाला भाषण माना जाएगा। अब आप कहेंगे कि मुझे यह कैसे पता? यदि मैं वह कहूँ जो मैं अब आपसे कहने जा रहा हूँ कि समलैंगिक कृत्य पाप हैं, यदि मैं यह कहूँ कि इंग्लैंड यह घृणास्पद भाषण माना जाएगा। मुझे इंग्लैंड की जेल में डाला जा सकता है। इसे यहां आने में आमतौर पर 10 से 15 साल लग जाते हैं, लेकिन अब यह यहां स्थापित हो रहा है। क्या बाइबल में समलैंगिकता से कोई

समस्या है? खैर सदोम और अमोरा एक बिल्कुल स्पष्ट कथन हैं। आप कहते हैं कि यह समलैंगिक बलात्कार है, यह दो समलैंगिक प्रेमी नहीं हैं। यदि आप कुछ अन्य अंशों की ओर उछलते हैं। लैव्यव्यवस्था 18:22 यह कहती है: “किसी पुरुष के साथ वैसा कुकर्म न करना, जैसा कोई स्त्री के साथ सोता है।” क्या यह बिल्कुल स्पष्ट है? “तुम किसी पुरुष के साथ उस तरह झूठ मत बोलो जैसे कोई स्त्री के साथ झूठ बोलता है क्योंकि यह घृणित है।” अगली आयत कहती है, “जानवरों के साथ यौन संबंध न रखें।” बाइबिल ऐसा कहती है. वैसे मुझे कहना चाहिए , क्या आज दुनिया में ऐसे भी देश हैं जहां पशुता का अभ्यास किया जाता है? कुछ देश हैं और हमारे सैनिक नियमित आधार पर इसका सामना करते रहे हैं।

मैं बस इतना कह रहा हूँ कि ये बातें पवित्रशास्त्र में हैं। यदि आप रोमियों 1:26 पर जाएँ तो यह इन अनुच्छेदों में से एक और है। इन सभी परिच्छेदों की अलग-अलग तरह से व्याख्या की जाएगी, जाहिर तौर पर यदि कोई व्यक्ति समलैंगिक है, तो उनके पास इन परिच्छेदों की यह अन्य व्याख्या होगी। जब आप उन्हें पढ़ते हैं तो आप कहते हैं कि ये अंश काफी स्पष्ट हैं, आप इसे कैसे भूल सकते हैं? रोमियों अध्याय 1 में यह दुनिया में पाप के आने के बारे में बात कर रहा है और यह नीचे की ओर जा रहा है और भगवान उन्हें छोड़ देते हैं और वे और अधिक पाप करते हैं, और फिर वे नीचे की ओर बढ़ते हैं और आयत 26 में यह कहा गया है, “इस वजह से भगवान ने उन्हें शर्मनाक लोगों के हवाले कर दिया वासनाओं के कारण उनकी स्त्रियों ने भी प्राकृतिक संबंधों को अप्राकृतिक संबंधों से बदल लिया। इसी प्रकार पुरुष भी स्त्रियों के साथ स्वाभाविक संबंध छोड़कर एक दूसरे के प्रति वासना से भड़क उठते हैं। पुरुष दूसरे पुरुषों के साथ अश्लील हरकतें करते हैं।” अब क्या यह बिल्कुल स्पष्ट है?

एक और जो वास्तव में स्पष्ट है वह 1 कुरिन्थियों 6:9 है और यह कहता है, “क्या तुम नहीं जानते, कि दुष्ट परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ, न तो यौन अनैतिक पाप, न ही मूर्तिपूजा,” क्या पवित्रशास्त्र में मूर्तिपूजा पाप है? मूर्तिपूजा सर्वत्र व्याप्त है। “न व्यभिचार, न पुरुष वेश्याएँ, न समलैंगिक अपराधी।” कुरिन्थ में उनके पास पुरुष वेश्याएँ थीं। समलैंगिक अपराधियों को इन सबके साथ श्रेणी में रखा जाता है, मैं पूरी बात नहीं

बताना चाहता लेकिन क्या बाइबल इस पर काफी सुसंगत है?

अब आप उन लोगों के साथ क्या करते हैं जो समलैंगिक हैं और ईसाइयों को समलैंगिकता के इस मुद्दे पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए? मैं यहां चलूंगा और आपको एक कहानी और कुछ बुनियादी बातें बताऊंगा। इन वर्षों में मेरे कुछ सबसे अच्छे दोस्त, जैसे, मैं इंडियाना के एक बहुत ही रूढ़िवादी स्कूल में पढ़ाते थे, और वहां मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक समलैंगिक थी। इस कक्षा के लिए मैं उसे सूसी कहूँगा, यह उसका असली नाम नहीं था लेकिन मैं उसे बस इसी नाम से बुलाऊँगा। जब वह 12 साल की थी तब उसके बेसबॉल कोच ने उसके साथ बलात्कार किया था। जब वह 16 साल की थी तो उसके चाचा ने उसे बाहर ले जाया और उसका उत्पीड़न किया, और उसके चाचा ने उसे बाहर ले जाकर कुछ और चीजें कीं जिनके बारे में आप बात भी नहीं कर सकते। वह पुरुषों से इतनी नाराज़ थी कि अपने जीवन की ये कहानियाँ सुनाने के बाद वह मेरे कार्यालय से बाहर चली गई और कंक्रीट ब्लॉक की दीवार पर पूरी ताकत से मुक्का मारा और उसकी उंगलियाँ फट गईं। वह एक सख्त लड़की थी, बहुत एथलेटिक और वास्तव में बहुत मजबूत। तो हम बहुत अच्छे दोस्त बन गए और वह घर नहीं जा सकती थी और उसे मानसिक समस्याएं थीं इसलिए उन्होंने उसे एक अस्पताल में शरण में रखा और मैं उससे मिलने के लिए वहां जाता था और वहां लगभग 6 इंच की दूरी पर एक आदमी खड़ा था उस पर चिल्लाना। मैं उसे वास्तव में अच्छी तरह से जानता था, और आप देख सकते हैं कि वह इस लड़के को पटक कर उसका चेहरा उतारने वाली थी। इसलिए मूल रूप से मैंने इन कागजात पर हस्ताक्षर किए और हमने उसे वहां से बाहर निकाला। क्या वह पुरुषों से नफरत करती थी? हां, वह पुरुषों से नफरत करती थी और मुझे लगा कि वह इस आदमी को मार डालेगी।

इसलिए वह मेरे घर आई और काफी देर तक हमारे साथ रही। और मेरा बेटा मरीन से घर आता है और उसे यह नहीं पता था और वह कुछ ऐसी टिप्पणियाँ कर रहा था जो मुझे नहीं लगा कि उसे करनी चाहिए। और मैंने कहा क्या तुम्हें सूसी याद है? सूसी एक समलैंगिक थी इसलिए आपको कुछ भी कहने से पहले दो बार सोचना होगा। वह पूरी तरह से सदमे में था, वह वास्तव में मेरे पास आई और कंक्रीट की दीवार बनाने में मेरी मदद की।

यह पहली बार था जब मैंने ब्लॉक बिछाया और हमने उसका सामना ईंट से किया और उसने ऐसा करने में मेरी मदद की। वह सचमुच एक अच्छी कार्यकर्ता थी। इस बीच, मैं तीन दिनों से कंक्रीट पर काम कर रहा था और क्या आप जानते हैं कि जब आप कंक्रीट में काम करते हैं तो आपके हाथों का क्या होता है? मेरा यह नियम है: असली पुरुष दस्ताने नहीं पहनते। मैं जानता हूँ कि यह बेवकूफी है और मेरी पत्नी मुझसे कहती है कि यह बेवकूफी है। इसलिए मैं एक दिन कंक्रीट के साथ काम करता हूँ और एक दिन के बाद कंक्रीट आपके हाथों को सुखा देता है। दूसरे दिन जब आप कंक्रीट के साथ काम करते हैं तो आपके हाथों में ये दरारें आनी शुरू हो जाती हैं। तीसरे दिन, घाव खुल जाते हैं और आपके हाथों पर खुले घाव हो जाते हैं।

अब सूसी ने फोन किया और कहा, "मुझे एड्स परीक्षण के लिए फोर्ट वेन जाना है।" यह तब होता है जब ये चीजें पहली बार सामने आना शुरू होती हैं, क्योंकि आप सोच रहे हैं कि आपको इस तरह से एड्स नहीं हो सकता है। आज यह कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि हम इसे हल कर सकते हैं। वैसे भी, तब हमें नहीं पता था कि सौदा क्या था, और उसे यह परीक्षा देनी पड़ी। तो मैंने कहा, "निश्चित रूप से मैं तुम्हें वहां ले जाऊंगा," क्योंकि स्कूल में किसी को नहीं पता था कि क्या हो रहा था।

इसलिए मैं वहां चला गया और मैं रूट 30 पर गाड़ी चलाना कभी नहीं भूलूंगा और हम कोलंबिया शहर से आ रहे हैं, फोर्ट वेन के लगभग आधे रास्ते में मैं सोच रहा हूँ, "हे भगवान, मेरे हाथों पर ये खुले घाव हो गए, क्या होगा अगर वह इस चीज़ से रोते हुए बाहर आती है और वह मुझ पर रोती है, और मुझे नहीं पता कि क्या करना है! मेरे चार बच्चे और एक पत्नी है।" इस तरह की बातें मेरे दिमाग में बार-बार घूम रही हैं। मैं चिंतित था क्योंकि मुझे नहीं पता कि ये चीजें कैसे फैलीं। जब मैं अपने आप में निचले स्तर पर पहुँच जाता हूँ और मैं वास्तव में परेशान हो जाता हूँ और नहीं जानता कि क्या करूँ। मैं मूल रूप से अपने आप से पूछता हूँ, और मुझे पता है कि ये मामूली लगते हैं लेकिन मेरे लिए यह मामूली नहीं है, मैं खुद से पूछता हूँ: यीशु क्या करेंगे? मैं जानता हूँ, आप कहते हैं, मैं जानता हूँ कि यीशु क्या करेंगे, वह कहेंगे, "चंगा हो जाओ!" मुझे एहसास हुआ कि अगर वह बाहर आती है और

रोती है तो क्या यीशु उसे गले लगाएगा और उसे अपने ऊपर रोने की अनुमति देगा? वह परीक्षा देकर बाहर आई और उसकी आँखों में आँसू थे और हाँ आँसू मुझ पर बह गए। लगभग 2 या 3 सप्ताह के बाद उसे वापस परीक्षण मिला और पता चला कि उसके पास यह नहीं है। मैं भी उतना ही खुश था जितना वह थी।

वह वास्तव में इनमें से कुछ चीजों से जूझ रही थी। समलैंगिक होने पर ईसाइयों की क्या प्रतिक्रिया है? क्या किसी ऐसे व्यक्ति से प्यार करना संभव है? मेरा सार यह है: क्या पाप से घृणा और पापी से प्रेम करना संभव है?

मुझे उदाहरण बदलने दीजिये. मुझे अपने बहनोई का उपयोग करने दो, मैं उसे चार्ली कहूँगा। चार्ली मुझसे कुछ साल बड़ा है इसलिए उसकी उम्र 40 के आसपास रही होगी। उसके पास 30,000 डॉलर का यह खूबसूरत ट्रक था। मेरे जीजाजी वास्तव में शराब से जूझते हैं। वह शराब पीकर बाहर चला गया और गाड़ी चलाने लगा--बुरा कदम। वह अपने ट्रक को नुकसान पहुंचाता है, किसी और की कार को नुकसान पहुंचाता है। सरकार उसके पीछे पड़ी है तो हम क्या करें? मेरे पास लगभग 200,000 मील की दूरी तय करने वाली यह मैक्सी-वैन है, और हम वहां जाते हैं और उसके पास जो कुछ भी है उसे इस मैक्सी वैन में रखते हैं और अपने घर की ओर चलते हैं। स्वास्थ्य लाभ के दौरान वह लगभग 6 महीने तक हमारे साथ रहे। प्रश्न: क्या हम चार्ली से प्यार करते हैं? क्या मेरे बच्चे अपने अंकल चार्ली से प्यार करते हैं? हाँ। प्रश्न: क्या मुझे शराब से नफरत है?

मैंने इसे कक्षा में बार-बार कहा है और मैं इसे फिर से कहूँगा: यदि शराबबंदी वहीं खड़ी होती जैसे कि वह एक व्यक्ति हो, और मुझे पता था कि अगर मैंने इसे आपके सामने मार दिया तो मैं हर किसी के लिए शराबबंदी को नष्ट कर सकता हूँ ग्रह का चेहरा, मैं अपने नंगे हाथों से, इसे आपके सामने ही मार डालूँगा। मुझे कोई परवाह नहीं होगी. मैं अपनी नौकरी खो दूँगा. मुझे कोई परवाह नहीं होगी. मुझे शराबखोरी से नफरत है. मुझे इससे नफरत है। मैंने इसे नष्ट होते देखा है. मेरा एक दोस्त है जो इस वजह से अभी कब्रिस्तान में है। मुझे उस चीज़ से नफरत है. पीते हुए चलाना। वैसे भी, मुझे उससे छुटकारा पाने दीजिए। ठीक है, मुझे इससे नफरत है। मैं इसे मार डालूँगा. प्रश्न: क्या मैं अपने जीजा से प्यार करती

हूँ? लगभग दो महीने पहले ही मैं उनसे विस्कॉन्सिन में मिला था। क्या मैं उस लड़के से प्यार करती हूँ? मैं उस लड़के से प्यार करता हूँ। प्रश्न: क्या मुझे शराबबंदी से नफरत है? हाँ। क्या तब उसी तरह की सोच का उपयोग करके यह पूछना संभव है, "क्या किसी ऐसे व्यक्ति से प्यार करना संभव है जो एक समलैंगिक व्यक्ति है और उसके जीवन में मौजूद चीज़ों से नफरत करता है?" और सच्ची सच्चाई यह है कि , मैं कभी नहीं भूलूंगा कि वह कब गई थी, ग्रेस, जब वह जा रही थी। उसने मुझे ऐसा गले लगाया कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भूल पाऊंगा। अब वैसे, क्या वह पुरुषों से नफरत करती है? हाँ। वह पुरुषों से नफरत करती है। उसने मुझे गले लगाया और फिर मुझसे कहा: "मेरे जीवन में केवल दो ही पुरुष हैं जिन पर मैं कभी भरोसा कर सकती हूँ। एक मेरा भाई था और दूसरा तुम हो।" मैं आपको बता रहा हूँ कि यह दो दशक पहले की बात है। प्रश्न: क्या मुझे वह याद है जैसे कल था? हाँ। वह सबसे अच्छी चीज़ों में से एक थी जो किसी ने मुझसे कही थी।

जब वह वहां से चली गई तो क्या उसने वर्षों तक संघर्ष किया? क्या यह कुछ ऐसा है जिसे आप ऐसे ही जांच रहे हैं? अब, मैं आपको बताना चाहता हूँ, जब यह आपमें इस तरह समा जाता है, तो इसमें वर्षों लग जाते हैं। अब मेरे जीजाजी, क्या वे जीवन भर शराब से जूझते रहेंगे? यह वास्तव में सिगरेट ही है जो उसे मारने वाली है। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं उस लड़के से प्यार करता हूँ। लेकिन वह बहुत अधिक धूम्रपान करता है, बहुत अधिक शराब पीता है। जब आप बूढ़े हो जाते हैं तो यह आपको पकड़ लेता है। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या लोग इससे संघर्ष करेंगे? और जवाब है हाँ। क्या ईसाई समुदाय को प्रेम करना आना चाहिए? और मैं जो कह रहा हूँ वह निस्संदेह इस आकार की कक्षा में है, ईमानदारी से कहें तो, इस कमरे में निस्संदेह ऐसे लोग हैं जो समलैंगिक हैं। क्या ईसाइयों को पता होना चाहिए कि इस प्रकार की सीमाओं के पार प्रेम कैसे करना चाहिए ? अब क्या इसका मतलब यह है कि मैं इसे स्वीकार करता हूँ? और इसका उत्तर रोमनों से आता है। रोमन कहते हैं, " जो अच्छा है उससे प्यार करो और जो बुरा है उससे नफरत करो।" यहां जो बात मुझे कभी-कभी परेशान करती है वह यह है कि हम हर चीज से प्यार करते हैं। और बाइबल कहती है, " बुराई से घृणा करो ।" मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: जो

बुराई है उससे नफरत करना सीखें। लेकिन क्या यह संभव है कि जो बुराई है उससे नफरत करें और फिर भी उन लोगों से प्यार करें जो अपने जीवन को नष्ट होते हुए देख रहे हैं?

मुझे एक और दोस्त मिला है जो शायद मेरे जीवन में अब तक मिले सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों में से एक है। ग्रीक में न्यू टेस्टामेंट जानता है और एक अविश्वसनीय व्यक्ति है। उनका बेटा भारी नशीली दवाओं में शामिल हो गया और मैं कोकीन और हेरोइन और इस तरह की चीजों के बारे में बात कर रहा हूँ। उनका बच्चा वास्तव में बहुत प्रतिभाशाली बच्चा था। उसके पिता को अपने बच्चे को ट्यूब से नीचे जाते हुए देखना पड़ा? प्रश्न: क्या उसके पिता अपने बेटे के लिए मर गए होंगे? हाँ। और वह कुछ नहीं कर सकता। मेरा मतलब है, बच्चा इस चीज़ में शामिल है और यह उसके जीवन को नष्ट कर रहा है। तो पिता अपने बेटे से प्यार करता है, लेकिन क्या वह नफरत करता है कि नशीले पदार्थ किसी व्यक्ति को नष्ट कर सकते हैं? यह देखकर लगता है कि अब जब पिता रिटायर हो गए हैं तो उन्होंने क्या किया है? अनुमान लगाओ कि वह किसके साथ काम करता है? वह आधे घर में काम करता है और नशे के आदी लोगों को परामर्श देता है। तो मेरी चीज़ संतुलन है। मैं नहीं जानता कि आप इसे बिल्कुल सही कैसे समझ पाते हैं। परन्तु जो अच्छा है उससे प्रेम करो और जो बुरा है उससे घृणा करो। जो बुराई है उससे घृणा करना और फिर भी लोगों की परवाह करना महत्वपूर्ण है। वैसे, क्या यीशु ने यही किया था? हाँ। आप कहते हैं, "ठीक है, हमें बस यीशु जैसा बनना है।" हाँ, थोड़ी देर के लिए इसे आजमाएँ। यीशु जैसा बनना कठिन है। इसलिए यह संतुलन और यह मुद्दा कठिन है। चलो वहां से निकलें। वास्तव में यह मेरी मूल पंक्ति है, और मुझे इस वाक्य के लिए खेद है, लेकिन यह मूल पंक्ति है: पापी से प्रेम करना और पाप से घृणा करना। मैं सोचता हूँ कि यदि आप केवल पापी से प्रेम करने लगते हैं और पाप के प्रति कोई घृणा नहीं है, तो आप हार गए हैं। यदि आप केवल पाप से घृणा करते हैं और आप उस व्यक्ति से घृणा करते हैं, तो मुझे लगता है कि आप वहां भी हार गए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इसमें तनाव लगता है और इसे ठीक करना काफी मुश्किल तनाव है।

अब यह पाठ और भी कठिन है। यह संपूर्ण बाइबिल में सबसे अविश्वसनीय ग्रंथों में से एक है। यह उत्पत्ति अध्याय 22 है। मैं इस पाठ को पढ़ना चाहता हूँ। उत्पत्ति की पुस्तक में इस बिंदु तक ईश्वर इब्राहीम के पास आता है और ईश्वर महान प्रतिज्ञाकर्ता है। वह इब्राहीम के पास आता है और हर बार जब वह इब्राहीम के पास आता है तो कहता है, “इब्राहीम इब्राहीम ! मैं तुम्हें एक बेटा देने जा रहा हूँ। मैं तुम्हें आकाश के तारों, और समुद्र के किनारे की बालू के समान बहुत सी सन्तान दूँगा। मैं तुम्हें यह भूमि, यह वादा किया हुआ देश देने जा रहा हूँ। मैं तुम्हें सारी दुनिया, सभी राष्ट्रों - भूमि, बीज, आशीर्वाद के लिए एक आशीर्वाद बनाने जा रहा हूँ। वह उस वाचा के वादे को बार-बार दोहराता रहता है। और वह उससे कहता रहा, “इब्राहीम, तुम्हें एक बेटा होगा - इश्माएल नहीं। इब्राहीम तुम्हें एक बेटा होने वाला है - एलीएजेर को नहीं। इब्राहीम तुम्हें सारा से एक पुत्र प्राप्त होगा।” और इब्राहीम तब तक प्रतीक्षा करता है जब तक कि वह बूढ़ा न हो जाए, वह लगभग 100 वर्ष का हो जाए या जो भी हो, जब उसके पास यह बच्चा हो। उन्होंने काफी समय तक इंतजार किया है।

अब अध्याय 22 में भगवान ने अपनी भूमिका बदल दी है। भगवान अब यहां वादा करने वाला नहीं है। अब ईश्वर एक नई भूमिका लेता है: वह अब्राहम का परीक्षण करता है। इसलिए परमेश्वर ने इब्राहीम के साथ अपनी भूमिका बदल दी। वह उसका परीक्षण करने जा रहा है। अध्याय 22 तो, मैं इससे शुरुआत करता हूँ। इसमें कहा गया है, “कुछ समय बाद, भगवान ने इब्राहीम का परीक्षण किया और उसने उससे ‘अब्राहम’ कहा।” मैं यहाँ हूँ, उसने उत्तर दिया। और फिर भगवान ने कहा, ‘अपने बेटे, अपने इकलौते बेटे, इसहाक को ले लो।’” वह वादे का बेटा है, जिसके लिए आपने इतने लंबे समय तक इंतजार किया, वह सारा के साथ, विशेष बच्चा, इसहाक, हंसी। “आप उसे ले जाइए [बच्चा अब शायद लगभग 16 साल का है। तो क्या समय के साथ माता-पिता अपने बच्चों से जुड़ जाते हैं? इसलिए वह इस बच्चे से प्यार करता है।] और अब अपने बेटे को, जिससे आप प्यार करते हैं, ले लो, और मोरिया के क्षेत्र में जाओ। उसे वहां होमबलि के रूप में बलिदान करो।” और आप कहते हैं, “ठीक है, हम होमबलि के बारे में जानते हैं। हमने अभी-अभी लेविटिकस की किताब शुरू की है?” हाँ, होमबलि से क्या समस्या है? इसे आमतौर पर संपूर्ण होमबलि कहा जाता है।

जब यह संपूर्ण होमबलि कहता है, तो आमतौर पर क्या होता है? क्या बच्चा इससे दूर चला जाएगा? नहीं, जब आप संपूर्ण होमबलि होते हैं, तो पूरी चीज़ जल जाती है। तुम भुने हुए हो।

“मोरियाह पर्वत पर जाओ और वहाँ उन पहाड़ों में से एक पर जिसके विषय में मैं तुम्हें बताऊँगा, होमबलि के रूप में उसे बलि चढ़ाओ।” ऐसा प्रतीत होता है कि एक विशिष्ट स्थान है - “पहाड़ों में से एक पर जिसके बारे में मैं आपको बताऊँगा।” क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अब इब्राहीम के दिमाग में क्या चल रहा होगा ? भगवान ने उससे बस इतना कहा कि वह इस बच्चे का बलिदान दे, जिसका वह इंतजार कर रहा था, जिससे वह प्यार करता था। यह अविश्वसनीय रूप से विनाशकारी होगा।

अगला श्लोक क्या कहता है? यह बहुत दिलचस्प है कि पाठ यह कैसे करता है। यह अगली कविता है: “अगली सुबह इब्राहीम तड़के उठ गया।” देखिये, क्योंकि यदि आप परमेश्वर की इच्छा पूरी करने जा रहे हैं, तो आपको जल्दी उठना होगा क्योंकि “जो जल्दी आ जाता है, उसी को कीड़ा लग जाता है।” यह सचमुच महत्वपूर्ण है कि वह सुबह जल्दी उठे। सुबह जल्दी, आपको सुबह जल्दी उठना होगा। फिर भोर को जल्दी उठकर उसने अपने गधे पर काठी काठी बाँधी। यदि आप उत्तर की ओर तीन दिनों की सवारी के लिए जा रहे हैं, तो आपको गधे पर काठी बांधनी होगी। आप गधे की सवारी करने जा रहे हैं, इसलिए आपको उस पर काठी बांधनी होगी। तो वह जल्दी उठ गया; उसने अपने गधे पर काठी काठी बाँधी; और उसने दो सेवकों को अपने साथ लिया। अब आपको नौकरों की ज़रूरत है क्योंकि आपको आग के लिए यह सारी लकड़ी उठानी है और आपको मदद के लिए नौकरों की ज़रूरत है। इसलिए उसके पास दो नौकर हैं जो उसकी मदद कर रहे थे। ठीक है, वह दोनों नौकरों और अपने बेटे इसहाक को अपने साथ ले गया। “जब उसने पर्याप्त लकड़ी काट ली थी,” ओह, हाँ, यदि आप एक बलिदान देने जा रहे हैं, तो आपको वहाँ जलाने के लिए लकड़ी की आवश्यकता होगी, इसलिए यह भी वास्तव में महत्वपूर्ण है। यदि आप भगवान को बलि देने जा रहे हैं, तो आपको लकड़ी लानी होगी। आप बिना लकड़ी के पकड़े जाना नहीं चाहेंगे। “अतः उस ने होमबलि के लिये लकड़ियाँ काटीं, और उस स्थान की ओर चल दिया जो परमेश्वर ने उस से कहा था।”

इससे यह सिद्ध होता है कि इब्राहीम की भावनाएँ कोई मायने नहीं रखतीं। क्या यहां अब्राहम की भावनाओं का कोई जिक्र है? एक नहीं। इब्राहीम जल्दी उठा, अपने गधे पर काठी लगाई, लकड़ी काटी - किसी भी तरह की कोई भावना नहीं। उसने बस भगवान की आज्ञा मानी। उसने भगवान की आज्ञा मानी, भावनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। इस पाठ में इब्राहीम के संघर्ष का भी उल्लेख नहीं है। यह महत्वपूर्ण नहीं है। उसने बस भगवान की आज्ञा मानी। प्रश्न: क्या यह सही है? नहीं, यह सही नहीं है। क्या पाठ यहाँ आपके काम आ रहा है? यह आपको गधे पर काठी बांधने के बारे में बता रहा है। क्या तुम्हें इसकी परवाह है कि उसने अपने गधे पर काठी काठी बांधी थी या नहीं? उसने लकड़ी काटी। तुम्हें इसकी परवाह है कि उसने लकड़ी काटी या नहीं? क्या आप यह बता सकते हैं कि वह अपने साथ दो नौकर भी ले गया था? तुम्हें कोई परवाह नहीं है। क्या यह आपको सभी अनावश्यक जानकारी दे रहा है? यह ऐसा क्यों कर रहा है? यह आपको पाठ में आमंत्रित कर रहा है। इस तरह की पागलपन भरी चीज़ों को सूचीबद्ध करके, जिनका किसी भी चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है, आपको पूरी जगह दे रहा है, और यह आपको यह पूछने के लिए आमंत्रित कर रहा है, "इस कथा में इब्राहीम की भावनाओं को कौन प्रदान करेगा?" पाठक। और यह आपको, एक पाठक के रूप में, यह सब अनावश्यक बातें बताकर आपको यह कहने के लिए आमंत्रित कर रहा है, "पवित्र गाय, उसके दिमाग में क्या चल रहा है?" ताकि आप महसूस कर सकें कि अब्राहम क्या महसूस करता है और यह आपको ये सभी अनावश्यक विवरण बताकर एक निमंत्रण है। मुझे लगता है कि यह एक निमंत्रण है जो आपको खुद से पूछने का मौका देता है: "अगर भगवान आपसे अपने बेटे को त्यागने के लिए कहें तो आपको कैसा लगेगा?"

अतः वह नीचे गया और उसने अपने सेवकों से कहा, "गधों के साथ यहीं रहो, जब तक हम पार जाकर दण्डवत् करें, तब हम लौट आएँगे।" नया नियम इसका हवाला देता है, कि इब्राहीम ने सोचा था कि भले ही उसने उसे मार डाला, लेकिन भगवान उसे मृतकों में से उठा लेंगे। अब क्या उस समय में यीशु के बारे में कुछ भी नहीं जानना बहुत अच्छा है? क्या

यह आदमी भगवान पर विश्वास करता है? इब्राहीम ने लकड़ी और होमबलि ली और वह नीचे गया और फिर इसहाक आया और इसहाक कुछ शब्द कहने जा रहा था।

अब मैं यहां बटन दबाना भूल गया लेकिन मैं आपको बता दूं, इस कहानी को यहां "अकेदा" कहा जाता है। यहूदी हलकों में यह यहूदी लोगों के लिए एक प्रसिद्ध मार्ग है और इसे "अकेदा" कहा जाता है। अकेदा का तात्पर्य "इसहाक के बंधन" से है। "अकेदा" का अर्थ है "बाध्यकारी।" तो यह "इसहाक का बंधन" है। यह इसहाक मार्ग का बंधन है।

यह एक प्रसिद्ध परिच्छेद है जिसमें इतने समय के बाद एक बेटे के लिए इतना संघर्ष किया गया है। अब, तेजी से आग, कोई भावनाएं नहीं दिखाई जाती हैं। मैं जो सुझाव दे रहा हूं वह यह है कि यह अच्छा साहित्य है। यह अच्छा साहित्य आपको कहानी में आमंत्रित करता है। आपको कथा की भावनाओं, तनावों और करुणा की आपूर्ति करनी है। आशीर्वाद देने वाला परमेश्वर, परीक्षक परमेश्वर की ओर मुड़ता है। तो भगवान यहाँ यह व्यापक परिवर्तन करता है।

कष्टदायक आज्ञाकारिता और आपके पास क्या है, मुझे कहानी का शेष भाग यहां पढ़ने दीजिए। इसमें कहा गया है, "इब्राहीम ने उत्तर दिया..." आइए इसहाक को इस कहानी में शामिल करें। आप इसहाक को लगभग 16 वर्ष का देख सकते हैं, है ना? पिता की उम्र कितनी है? पिता की उम्र सैकड़ों में है, बच्चे की उम्र 16 है ना? और बच्चा कहता है, "उम्म, पिताजी, क्या माँ आपको बताना भूल गई? क्या आप यहाँ कुछ भूल गये पिताजी? जैसे हमारे पास लकड़ी और आग तो ठीक है पिताजी, लेकिन मेमना कहाँ है? क्या माँ तुम्हें मेमना लाने की याद दिलाना भूल गयी?" तो इसहाक यहाँ कहता है, "पिता।" "हाँ बेटा।" "आग और लकड़ी तो यहाँ हैं, परन्तु होमबलि के लिए मेमना कहाँ है?" "पिताजी, क्या आप कुछ भूल गए?"

तब इब्राहीम कहता है, अब इसकी जाँच करो, "परमेश्वर होमबलि के लिये मेमने का प्रबंध आप ही करेगा।" क्या आप प्रतिध्वनि सुन सकते हैं? यह दो हज़ार साल पुरानी प्रतिध्वनि है। "परमेश्वर स्वयं, मेरे पुत्र, मेमना प्रदान करेगा।" क्या ईश्वर वास्तव में ऐसा करता है? मेमना उसका पुत्र है। क्या यहाँ कोई बैपटिस्ट है? और आप इस आदमी जॉन द बैपटिस्ट

के साथ जाएं और जॉन द बैपटिस्ट क्या कहता है? वह कहता है, "देखो" क्या? "भगवान के मेमने को देखो जो दुनिया के पापों को दूर ले जाता है, " जैसा कि उन्होंने यीशु मसीह की घोषणा की। अतः यह अनुच्छेद यीशु मसीह की प्रतिध्वनि करता है। इब्राहीम को अपने बेटे की बलि चढ़ाने के लिए कहा गया है। अब्राहम वास्तव में इससे गुज़रने से बच गया है। क्या ईश्वर वास्तव में इसे पूरा करेगा? अब इससे बहुत सारी बातें सामने आती हैं।

क्या आपमें से कोई यहाँ दार्शनिक है? दार्शनिक शायद चीजों को मुझसे बेहतर समझते हैं। सोरेन कीर्केगार्ड नाम का एक लड़का है। उन्होंने *फियर एंड ट्रेम्बलिंग* नामक पुस्तक लिखी है। आपके साथ ईमानदार होने के लिए मुझे यह समझने और सराहना करने से पहले कि वह क्या कर रहा था, मुझे काम को तीन बार पढ़ना पड़ा, लेकिन यह अब तक पढ़ी गई सबसे गहन पुस्तकों में से एक थी। इसे *उर और कंपकंपी कहा जाता है* और यह इसी कथा पर आधारित है। यह वास्तव में छोटी चीज़ है, लगभग 40/50 पृष्ठ, लेकिन यह बिल्कुल गहन है। एक साल पहले मुझे इस मार्ग के साथ भारी संघर्ष करना पड़ा था।

अभी एक साल पहले मेरा बेटा अफगानिस्तान में था. मेरा बेटा "बूट" है। एक "बूट" का मतलब है कि मूल रूप से वह एक समुद्री है और इसका मतलब है कि वह ज़मीन पर है और इसका मतलब है कि उसके पास M16 है। वह पैदल सेना में लांस कॉर्पोरल है। उसके पास वास्तव में 50 कैलोरी की मशीन गन है और मूलतः वह ज़मीनी किस्म का व्यक्ति है। हर दिन वह बाहर जाता था - और वह फोन करता था और हमें यह बताता था - हर दिन जब वे तार के बाहर जाते थे, तो उन्हें गोली मार दी जाती थी। उसके सबसे अच्छे दोस्त को सीधे गर्दन में गोली लगी। यह उसकी प्रमुख धमनी से 1 मिमी चूक गया। हमारे पास हेडली के हेलीकॉप्टर की ओर दौड़ने का वीडियो है, जब उसकी गर्दन पर गोली मारी गई थी, जब वह हेलीकॉप्टर की ओर भाग रहा था, तब उसने अपनी गर्दन पर दबाव डाला था। आपको जानना होगा, यह लड़का बिल्कुल साहसी है। लेकिन उसकी गर्दन के पार गोली लग गई. मेरे बेटे के अन्य दोस्त सफल नहीं हो सके, वे उतने भाग्यशाली नहीं थे। कभी-कभी गोली ग़लत जगह पर चली जाती थी. द्विग मर चुका है - उसके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक। अन्य मित्रों की मैं चर्चा भी नहीं करना चाहता। उसने यह सब देखा। उसने ऐसी चीज़ें देखीं जो

इंसानों को अपने जीवन में कभी नहीं देखनी चाहिए। उसने यह सब देखा।

मैं मैसाचुसेट्स में अपनी ओल्ड टेस्टामेंट कक्षा में ओल्ड टेस्टामेंट पढ़ा रहा हूँ। अफगानिस्तान में मेरे बेटे को लगातार 28 दिनों तक हर दिन गोली मारी जा रही थी, वह तार के बाहर था। उसे मुश्किल से ही नींद आती थी क्योंकि आप कब सो जाते हैं, आपको पता ही नहीं चलता। ठीक वैसे ही, ये लोग आप पर हावी हो सकते हैं और इसलिए उसे बहुत कम नींद मिली। वह आज तक ठीक से सो नहीं पाया है। तो फिर भी, क्या मैंने भगवान से प्रार्थना करना सीख लिया? क्या मुझे अपने बेटे को जाने देना होगा और कहना होगा, "भगवान, तुम्हें उसकी देखभाल करनी होगी।"

अब प्रश्न: क्या एक पिता को अपने बच्चे की रक्षा करनी चाहिए? अब आप कहते हैं, आप इलियट को नहीं जानते। वह बड़ा है...अब वह 6'2"/6'3", 220 पाउंड का है। वह अब अपना ख्याल रखता है। लेकिन सवाल यह है कि वे उस पर गोली चला रहे हैं और मैं उसकी रक्षा नहीं कर सकता। मेरा बच्चा वहाँ है और मैं उसकी रक्षा नहीं कर सकता। मैं हमेशा अपने बच्चों की रक्षा करता हूँ। इसलिए मैं असहाय महसूस करता हूँ। जब आप असहाय महसूस करते हैं तो आप क्या करते हैं? आप प्रार्थना करते हैं। क्योंकि आपके पास बस इतना ही है। पिछले वर्ष मैंने प्रार्थना के बारे में बहुत कुछ सीखा। सच्ची सच्चाई यह थी कि पिछले साल अधिकांश समय मैं प्रार्थना कर रहा था कि भगवान मुझे मार डालें। मैंने अभी कहा, "हे भगवान, बूढ़ा आदमी पहले जाता है। बच्चे को पता चल गया, बूढ़ा पहले जाता है। भगवान उसकी जान बख्शें। यदि आप किसी को लेने जा रहे हैं तो मुझे ले जाइए, उसे मत ले जाइए। उसे छोड़ दो, मैं चला जाऊँगा। मुझे ले चलो, अभी ले चलो। मुझे पुराने नियम के सामने ले चलो...मुझे परवाह नहीं है कि तुम मुझे कहाँ ले जाते हो। बस मुझे ले चलो, उसे जीवित रहने दो।"

अब ऐसा हुआ कि भगवान ने उसे यहां वापस बुला लिया और शारीरिक रूप से उसे कोई चोट या ऐसा कुछ नहीं हुआ। क्या उसके दिमाग में बहुत सारी बातें चल रही हैं? हाँ। लेकिन फिर भी हम अभी इसके साथ काम कर रहे हैं। हम अपने बेटे से प्यार करते हैं और उस पर गर्व करते हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह असहायता की भावना और ईश्वर की प्रार्थना है

और आपको उस तरह कुछ छोड़ना पड़ रहा है। मैंने इस कहानी के बारे में कुछ सीखा... अब यह अप्रासंगिक है।

### जे. आस्था विकास के चरण [ 54:06-61:23]

मुझे इसके थोड़ा और करीब जाने दीजिए और मैं आस्था के विभिन्न चरणों - आस्था विकास के विभिन्न चरणों के बारे में बात करना चाहता हूँ। मैं उनमें से तीन को देखना चाहता हूँ जिन्हें मैंने अभी-अभी इस कथा से तैयार किया है। मैं सबसे पहले " **आसान विश्वास** " के बारे में बात करना चाहता हूँ। क्या कुछ लोग यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं क्योंकि यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, तो आप बच जायेंगे। यदि आप प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करते हैं तो आपको निःशुल्क अनंत काल मिलता है। तुम स्वर्ग जाओ और सोने की सड़कों पर चलो। सब कुछ अच्छा है। भगवान आपका जीवन बदल देता है। तुम्हारे पाप क्षमा हो गये और सब कुछ अच्छा हो गया। आप आनंद सीखते हैं। आपको यीशु से आनंद और शांति और ये सभी अद्भुत चीज़ें मिलती हैं। और इसलिए मैं इसे "आसान विश्वास" कहना चाहता हूँ। दूसरे शब्दों में, आपको जो मिलने वाला है उसके लिए आप यीशु को स्वीकार करते हैं और आपको ये सभी अद्भुत चीज़ें मिलने वाली हैं। मैं इसे "आसान विश्वास" कहना चाहता हूँ। वैसे, क्या आप में से कुछ लोग यीशु को जानते थे क्योंकि यही वह चीज़ थी जो आप यीशु से प्राप्त करने वाले थे? मैं अपने लिए कहना चाहता हूँ, यह शायद सच है। यह "आसान विश्वास" है।

इसके बाद एक और स्तर है जिसे मैं " **इस्तीफे का विश्वास** " कहना चाहता हूँ। यहीं पर भगवान आपसे कुछ त्यागने के लिए कहते हैं। मेरे मामले में, जब मैंने कॉलेज से स्नातक किया तो मेरे पास कॉर्नेल एयरोनॉटिक्स लैब में एक सिस्टम इंजीनियर के रूप में नौकरी थी और वह व्यक्ति मुझे नौकरी पर रखना चाहता था। इससे पचास हजार डॉलर की कमाई हो रही होगी, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी। मुझे एहसास है कि यह अब उतना नहीं है, लेकिन हम गृह युद्ध के बाद की बात कर रहे हैं जब यह बहुत सारा पैसा था। मैंने काम को देखा और मैंने सोचा, "आप जानते हैं, मुझे लगता है कि भगवान मुझे कहीं और बुला रहे हैं।"

मैंने नौकरी वाले लड़के से कहा, "मैं मदरसा जाने वाला हूँ।" अब जब आप मदरसे में जाते हैं, तो पचास हजार डॉलर पाने और अमीर बनने के बजाय, आप मदरसे में पहुँचते हैं और तुरंत गरीब हो जाते हैं। फिर मेरी शादी हो गई और फिर तुम सचमुच गरीब हो गए। स्वयं गरीब होना अच्छी बात है लेकिन जब आप शादी करते हैं तो ऐसा लगता है कि आपको इस दूसरे व्यक्ति का समर्थन करना होगा। यह महंगा हो जाता है और आप पहले की तरह इसमें कटौती नहीं कर सकते। जैसे बफ़ेलो शहर के मध्य से प्रतिदिन 25 मील अपनी बाइक चलाना और अन्य चीज़ें क्योंकि अब वह आपकी बाइक के पीछे सवारी नहीं करना चाहती। तो अब आपको वास्तव में एक कार लेनी होगी और उसे चलाना होगा। लेकिन मैंने उस पर गौर किया और मैंने कहा क्या? "क्या मैं उस काम को कूड़ा-कचरा मानता हूँ?" "इस्तीफे का विश्वास" मुझे निंदा करने या कम करने, कम महत्व देने और उस चीज़ के बारे में सोचने की अनुमति देता है जो मेरे पास हो सकती थी और उसे कम करके कह सकता है, "मैं इसे वैसे भी नहीं चाहता था, यह अच्छा नहीं था। वैसे भी यह मेरे लिए अच्छा नहीं होता।" शायद ऐसा नहीं होता। इसलिए मैं उस चीज़ को कम कर देता हूँ, उसकी निंदा करता हूँ या उसका अवमूल्यन करता हूँ जिसकी भगवान को मुझसे अपेक्षा थी। मैं उसका अवमूल्यन करता हूँ, या मैं उसका अवमूल्यन करता हूँ जो ईश्वर ने मुझसे ले लिया है। पौलुस यह कहता है, "जिन वस्तुओं को मैं लाभ समझता था, वे मेरे लिये कूड़ा समझी जाती हैं।" मैं उन्हें नहीं चाहता। भगवान ने उन्हें ले लिया और यह ठीक है। जब मैं उस चीज़ का अवमूल्यन करता हूँ जिसे ईश्वर ने ले लिया है तो यह त्याग का विश्वास है।

क्या यही है? वह इब्राहीम नहीं है। क्या इब्राहीम अपने बेटे की सराहना करते हुए कह सकता है, "अरे, वह वैसे भी कोई बड़ा बेटा नहीं था।" क्या वह ऐसा कर सकता है? नहीं, और यह विश्वास का अगला चरण है जिसे मैं यहां लाना चाहता हूँ। मैं इस अनुचित को "शुद्ध विश्वास" कहना चाहता हूँ। यह "शुद्ध विश्वास" है जहां भगवान आपसे वह मांगते हैं जिसे मैं "अनमोल" कहना चाहता हूँ। इसके अर्थों के लिए क्षमा करें, लेकिन भगवान कहते हैं, "मुझे 'बहुमूल्य' चाहिए।" अब ध्यान दें कि मैं कहता हूँ, "बहुमूल्य।" आपके पास इनमें से कितने हैं? आपके पास बस एक है। और भगवान कहते हैं, "मुझे यह चाहिए।" जब

भगवान आपसे "अनमोल" मांगते हैं, तो क्या आप कह सकते हैं कि इसका मेरे लिए कोई मतलब नहीं है? मैंने इसे छोड़ दिया और इसका कोई मतलब नहीं है, क्या मैं अपने बेटे के बारे में ऐसा कह सकता हूँ? मैं उसे छोड़ देता हूँ और मैं उस पर भगवान का भरोसा करता हूँ। मेरे लिए उसका कोई मतलब नहीं है। नहीं, क्या ऐसा है कि आप अपनी आत्मा का त्याग कर रहे हैं? आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज़, उनमें से केवल एक ही है। वह वह एक चीज़ मांगता है। आप इसका अवमूल्यन नहीं कर सकते, आप इसका अवमूल्यन नहीं कर सकते। "इब्राहीम, मुझे तुम्हारा बेटा चाहिए।" बिल्कुल विनाशकारी। कुछ आलोचक बाइबल के इस अंश को देखते हैं और कहते हैं, "कितना क्रूर ईश्वर है जो किसी को इस तरह से इंसानों के साथ खेलने के लिए मजबूर करेगा!" पिछले सेमेस्टर में मेरे पास एक लड़का था और सेमेस्टर के अंत में मैंने पूछा, "आपने ओल्ड टेस्टामेंट क्लास में क्या सीखा?" उन्होंने कहा, "मैंने सीखा कि ईश्वर क्रूर है और लोगों को मारना पसंद करता है।" माफ कीजिए, क्या आपने वही किताब पढ़ी जो मैंने पढ़ी? नहीं, उसने ऐसा नहीं किया, दुर्भाग्य से वह पूरी बात चूक गया। तो वह यही लेकर आया था - दुखद, वास्तव में दुखद।

क्या आप सचमुच समझते हैं कि यहाँ क्या हो रहा है? क्या भगवान यहाँ क्रूर हो रहे हैं? मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि कुछ और चल रहा है। इब्राहीम के लिए यह बहुत बड़ा है, बिल्कुल बहुत बड़ा। अब्राहम की उपाधि क्या है? इब्राहीम को "भगवान का मित्र" कहा जाता है। आपको कैसे पता चलेगा कि आपका कोई बहुत अच्छा दोस्त है? क्या एक अच्छा दोस्त जानता है कि आप अपने मन में कैसा महसूस करते हैं? क्या एक अच्छा दोस्त आपको जानता है, अच्छा, बुरा और बदसूरत? क्या कोई अच्छा दोस्त आपको अंदर से जानता है? क्या एक अच्छा दोस्त आपके दुःख-दर्द से सहानुभूति रखता है? क्या कोई अच्छा दोस्त दुःख में आपकी पहचान करेगा? एक अच्छा दोस्त क्या करेगा? क्या कोई अच्छा दोस्त, जब आप दुःख में हों, तो क्या वे आपको सलाह देंगे? अगर कोई दुखी है तो आप उसे सलाह देते हैं ना? गलत। तुम उन लोगों के साथ शोक करते हो जो शोक करते हैं। क्या आपके ऐसे दोस्त हैं जो आपके साथ दुःख मनाना जानते हैं?

अब मैं बस भगवान के साथ इस पर काम करना चाहता हूँ। क्या भगवान को अपने

बेटे का यह बलिदान सहना पड़ेगा? क्या ईश्वर इससे गुज़रेगा? प्रश्न: क्या इब्राहीम अब उसमें से कुछ समझ सकता है। अपने बेटे की बलि देना कैसा होता है? मैंने अक्सर सोचा है, "अगर मैं भगवान होता और मेरा बेटा इलियट, और वे उसे मार रहे थे और वे उसे सूली पर चढ़ाने वाले थे और मैं भगवान होता, तो मैं क्या करता?" आप बस कल्पना कर सकते हैं... "अरे, तुम लोगों को परमाणु पसंद हैं? पूरे ब्रह्मांड में अपने परमाणुओं को उड़ते हुए देखें..." या हो सकता है कि आप बस अपनी उंगली इस तरह उठा लें..."ओह, आप लोग पृथ्वी ग्रह पर हैं और मेरे बेटे को इस तरह पीट रहे हैं? इसे देखो!" और तुम जाओ, "झटका!" और प्लूटो की तरह अचानक पृथ्वी खत्म हो जाएगी। अरे, वहाँ थोड़ी ठंड है क्योंकि वे तुरंत जम गए हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि, यदि आपको अपने बेटे को पीटते और सूली पर चढ़ाते हुए देखना हो, तो यह आपको ईश्वर के बारे में क्या बताता है? वह मुझे ईश्वर के बारे में बताता है: क्या ईश्वर हमसे प्रेम करता है ? वह "फ़्लिक!" जा सकता था! और सारी जगह भून दी. क्या वह उन्हें अपने बेटे को पीट-पीट कर निर्मम हत्या करने की इजाजत देता है ? फिर भी यह आपको परमेश्वर के प्रेम की सीमा बताता है। मुझे लगता है कि मैं इस बिंदु से यही कहना चाहता हूँ कि ईश्वर के प्रेम की सीमा क्या है।

### **के. स्थानिक दोहरीकरण** [61:24-62:52]

इब्राहीम तो भगवान का दोस्त है. इब्राहीम जानता है कि भगवान कैसा महसूस करता है । इसलिए वह उसका मित्र है क्योंकि भगवान ने उसे इस पवित्र स्थान में आने की अनुमति दी है। अब मैंने तुम्हें और कुछ नहीं बताया . ध्यान दें इब्राहीम को तीन दिन की यात्रा पर उत्तर की ओर मोरिया नामक पर्वत पर जाने को कहा गया है। माउंट मोरिया कहाँ है? जेरूसलम. यीशु कहाँ मरेंगे? जेरूसलम. क्या आपको यह समझ आया? इसे मैं "स्थानिक दोहरीकरण" कहना चाहता हूँ। ऐसा मेरे जीवन में एक बार हुआ है। मेरी बेटी का जन्म वॉरसॉ, इंडियाना अस्पताल में हुआ था और मैं अपने सभी बच्चों के जन्म के समय थी। सोलह साल बाद, मेरे पोते का जन्म उसी अस्पताल में हुआ और मैं कसम खाता हूँ कि यह वही कमरा था। मैं कमरे में था और जब वह वहाँ थी और जब मेरा पोता वहाँ था तब से लेकर सोलह साल के बीच मेरा सिर आगे-पीछे उछल रहा था। मैं मानसिक रूप से आगे-

पीछे उछल रहा था। यह अब तक की सबसे अजीब चीज़ थी। मैं इसे "स्थानिक दोहरीकरण" कहना चाहता हूँ जहाँ वही चीज़ एक प्रकार की डेजा-वू चीज़ होती है। भगवान उसे यरूशलेम में मोरिया पर्वत तक ले जाते हैं और यह बिल्कुल अविश्वसनीय है। तो मुझे लगता है कि वह जगह तय करता है और कहता है, "अब्राहम मैं चाहता हूँ कि तुम उसी जगह पर रहो जहाँ 2000 साल बाद मेरे बेटे की बलि दी जाएगी। इसलिए इस स्थान पर जहाँ यह घटित होने वाला है वहाँ जाइए।"

### **एल. जैकब: कलह और धोखा** [62:53-63:55]

यह उसका अंत है। ठीक है, तो चलिए जैकब करते हैं। जैकब वास्तव में बहुत आसान है। मुझे लगता है कि हम जैकब से और अधिक जुड़ सकते हैं। यहाँ हमें याकूब मिला है - कलह और धोखा। याकूब इसहाक का पुत्र होने वाला है। याद रखें हमारे पास इब्राहीम, इसहाक और याकूब हैं। आपको यहाँ कलह और धोखा मिला है। वैसे, कलह और धोखे से क्या बनता है। जैकब के कितने नाम हैं? क्या तुम लोग जैकब के दो नाम जानते हो? जैकब, यह वास्तव में इसका मूल नहीं है लेकिन यह "धोखा" की धारणा जैसा लगता है। "इज़राइल" का मतलब संघर्ष ही होगा। इज़राइल का अर्थ है "वह जो ईश्वर से संघर्ष करता है।" तो इस्राएल और याकूब, ये उसके दो नाम हैं: धोखा--याकूब; इज़राइल--संघर्ष। जैकब के जीवन में संघर्ष और धोखे प्रमुख विषय हैं।

### **एम. पूर्वनियति और स्वतंत्र इच्छा** [63:56-69:44]

इसलिए हम यहाँ जैकब में कूदना चाहते हैं। बचपन की तस्वीरें: जैकब का जन्म उत्पत्ति के अध्याय 25 में हुआ है और उसकी माँ रिबका के दो बच्चे होने वाले हैं। इसमें यह कहा गया है: "इसहाक ने अपनी पत्नी के लिये यहोवा से प्रार्थना की क्योंकि वह बांझ थी। प्रभु ने उसकी प्रार्थना सुन ली और उसकी पत्नी रिबका गर्भवती हो गई। और बच्चे एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करने लगे और उसने कहा, 'मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है?' इसलिये वह यहोवा से पूछने को गई, और यहोवा ने उस से कहा, 'तेरे गर्भ में दो जातियाँ हैं, और तेरे भीतर से दो जातियाँ अलग हो जाएंगी। एक लोग दूसरे से अधिक शक्तिशाली होंगे और बड़े लोग छोटे लोगों की सेवा करेंगे।' तो जन्म से ही, किसे चुना गया? जैकब को चुना गया। यही

बात मायने रखती है। जैकब को चुना गया है, ठीक है? तो फिर इसका मतलब यह है कि किसे नहीं चुना गया है? एसाव. तो यह इस बात पर एक प्रश्न बन जाता है कि ईश्वर एक को कैसे चुन सकता है और दूसरे को उनके जन्म से पहले ही कैसे अस्वीकार कर सकता है। क्या एसाव के पास मौका था? याकूब वह था जिसे जन्म से पहले चुना गया था। तो आप इस प्रकार के नियतिवाद के साथ क्या करते हैं।

इससे पूर्वनियति बनाम स्वतंत्र इच्छा का मुद्दा सामने आता है। भगवान ने उनके जन्म से पहले ही उन्हें पूर्वनिर्धारित कर दिया था। याकूब चुनी हुई सन्तान होगा और एसाव नहीं। इसमें से कितना भाग पूर्वनियति, चुना हुआ और निश्चित है? और इसमें से कितना हिस्सा स्वतंत्र इच्छा का है? आपको इस कक्षा में यह पहचानना चाहिए कि क्या हमने ईडन गार्डन से ही मनुष्यों में चुनाव करने की क्षमता विकसित कर ली है? क्या यह पवित्रशास्त्र में एक बड़ा विषय है, मनुष्य की चुनाव करने की क्षमता? लेकिन यहाँ, पूर्वनियति पक्ष सामने आता है कि भगवान याकूब को उसके जन्म से पहले ही चुन लेता है। वैसे, यदि आप मलाकी अध्याय 1 पर जाएं या आप रोमन पर जा सकते हैं। मुझे रोमियों 9 करने दीजिए, लेकिन यह मलाकी को उद्धृत कर रहा है। रोमियों 9:13 मुझे लगता है कि यह कहता है, "ताकि चुनाव में भगवान का उद्देश्य खड़ा हो सके: कार्यो से नहीं, बल्कि बुलाने वाले द्वारा - उसे बताया गया था, [वह, रिबका होने के नाते], 'बड़ा छोटे की सेवा करेगा।' जैसा लिखा है: 'मैंने याकूब से प्रेम किया, एसाव से घृणा की।'" उनके पैदा होने से पहले ही, "मैंने याकूब से प्रेम किया, मैंने एसाव से घृणा की।" क्या एसाव को मौका मिला? इसका क्या मतलब है कि परमेश्वर ने एसाव से नफरत की? उससे क्या लेना-देना है?

कुछ लोग उस प्रेम/नफरत को एक तुलनात्मक चीज़ के रूप में लेते हैं। तो यह परमेश्वर कह रहा है, "मैं याकूब से अधिक प्रेम करता हूँ। एसाव को कम प्रेम किया गया। "तो यह कमोबेश एक तरह की चीज़ थी। इसका मतलब पूरी तरह से "नफरत" नहीं था, यह सिर्फ "अधिक" था - एक सापेक्ष चीज़। मुझे लगता है कि संभवतः इसे समझाने का एक बेहतर तरीका अनुबंध संबंधी शब्दावली के साथ काम करना है। किसी को "प्यार करने" का मतलब उन्हें "चुनना" था; "नफरत करना" का अर्थ है "उन्हें न चुनना।" तो प्रेम/घृणा

शब्दावली वाचा की शब्दावली है। परमेश्वर एक के साथ वाचा बाँधता है, वह दूसरे के साथ वाचा नहीं बाँधता। तो यह एक बड़ी बहस है और हमें यह कहना चाहिए कि यदि किसी व्यक्ति को नहीं चुना जाता है, तो क्या वे अभी भी जिम्मेदार हैं? क्या एसाव जिम्मेदार था? एसाव को क्या करना चाहिए था? अब क्या एसाव वास्तव में अपवित्र व्यक्ति बन गया है? क्या यह संभव है कि एसाव ने कहा होगा, "याकूब को चुना गया है" और उसने जैकब के अधीन रहना और उसकी भूमिका में उसका समर्थन करना चुना? संभव है कि? क्या किसी को याद है कि निर्गमन में मूसा नाम का कोई व्यक्ति था? मूसा का बड़ा भाई कौन है? हारून. उसकी बड़ी बहन कौन है? मरियम. तो मरियम और हारून बड़े हैं, परन्तु वह कौन है जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का नेतृत्व करने के लिए चुना है? मूसा. क्या हारून और मरियम को मूसा का समर्थन करने के लिए नीचे आना होगा? क्या वे यही करते हैं? संख्या 12 को छोड़कर, कुछ विवाद है, लेकिन अधिकांश समय वे यही करते हैं। वे उसके अधीन हो जाते हैं। क्या एसाव को यही करना चाहिए था? उन्हें जैकब के समर्थन में सामने आना चाहिए था. अब क्या एसाव ऐसा करता है या एसाव अपने भाई को मारना चाहता है? तो हम वहां तनाव में आ जाते हैं. मैं जो सुझाव देना चाहता हूं वह यह है कि एसाव ने अभी भी चुनाव किया है। उसके पास अभी भी विकल्प थे कि वह इस पर कैसे प्रतिक्रिया देगा। इसलिए जो व्यक्ति नहीं चुना गया है वह अभी भी जिम्मेदार है। क्या वह उचित है? हाँ, यह उचित है। भगवान ने चुना...वैसे, क्या जीवन उचित है?

मेरा बेटा वास्तव में एक निश्चित स्तर पर इससे जूझ रहा है। अगर उनका जन्म अफगानिस्तान में हुआ होता तो क्या होता? क्या उनका जीवन अमेरिका में पैदा होने और अपने बूढ़े आदमी के प्रोफेसर बनने से बिल्कुल अलग होता। वैसे, क्या आप सभी का जीवन अलग-अलग है? क्या जीवन उचित है? क्या इस कक्षा में हर कोई बिल्कुल एक ही खेल के मैदान पर है या आप सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में कुछ फायदे और नुकसान हैं? हाँ, हम सब अलग हैं। जीवन के खेल के मैदान पर सब कुछ समतल होना चाहिए, यह विचार पागलपन भरा है। क्या जीवन उचित है? नहीं, यह तो बस ऐसा ही है। मेरा जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था। मेरे भाई-बहन मुश्किल से ही कॉलेज जाते थे। हमारे

पास पैसे नहीं थे, हमारे पास प्रावधान नहीं थे। अन्य बच्चे, वे सभी कॉलेज चले गए। हमारे अलग-अलग परिवार हैं, आपको उनके साथ काम करना होगा।

### एन. याकूब और एसाव के नाम और जन्म [69:45-71:45]

तो, अब, यहाँ दो लड़कों के नाम हैं। मैं इस पर थोड़ा काम करना चाहता हूँ। जैकब के नाम की ध्वनि आवश्यक रूप से व्युत्पत्ति संबंधी नहीं है, लेकिन ध्वनि यह है कि उसके नाम का अर्थ "एड़ी" है। "जैकब" भी "धोखेबाज" जैसा लगता है। नाम "धोखेबाज़" और "हील-पकड़ने वाला" जैसा लगता है। जब वे पैदा हुए, जब वे बाहर आए, एसाव बाहर आया, क्या हुआ? लाल और बालों वाला जैकब अपने भाई की एड़ी पकड़कर बाहर आया। इसलिए उन्होंने उसे मूल रूप से इसी शब्द "हील" की प्रतिध्वनि यानी जैकब कहा और बाद में यह शब्द "धोखेबाज" से भी जुड़ गया। एसाव बाहर आता है और वह पूरी तरह लाल है। लाल लाल, वे मुझे "लाल" कहते हैं। उसका नाम "बिग रेड" है। मूलतः, एसाव "बड़ा लाल" है। एसाव के वंशज एदोमी बन गए। हिब्रू में "डीएम" का अर्थ "लाल" है। अतः एदोम का संबंध लाल रंग से होगा। वैसे, एदोम देश में चट्टानों का रंग क्या है? क्या कभी किसी ने पेट्रा की तस्वीर देखी है? वे लाल हैं। यह लाल न्युबियन बलुआ पत्थर है। इसलिये वह जिस स्थान पर रहने को आता है वह एदोम देश में लाल बलुआ पत्थर का है।

फिर, वैसे, अब यह सिर्फ मेरा मज़ाक है, लेकिन वास्तव में नहीं। हर बार जब आप पवित्रशास्त्र में एदोमियों को देखते हैं, तो एदोमवासी, एसाव के वंशज, लगभग हर बार क्या करेंगे? वे यहूदियों को मार डालेंगे। एदोमियों ने यहूदियों को मार डाला। वे यही करते हैं। इसलिए यहूदियों के साथ यह तनाव हमेशा बना रहेगा। वे बहुत सारे यहूदियों को मारने जा रहे हैं। वे एसाव के वंशज हैं। एसाव या "सेईर" जैसा कि उसे कहा जाता है। एसाव और "सेईर" का अर्थ है "बालों वाला।" तो मूलतः हमें एक बच्चा मिला है जिसका नाम हैरी (बालों वाला) या बिग रेड है। यही उसका नाम है। वैसे, हम आज भी लोगों का नाम हैरी रखते हैं,

जिसकी वर्तनी दो " आर " है। लेकिन उसका नाम "हैरी" है क्योंकि वह शुरू से ही बालों वाला था। और इसलिए बिग रेड वहां है।

### **ओ. जैकब और एसाव और लाल स्टू जन्मसिद्ध अधिकार** [71:46-73:11]

यहाँ अध्याय 25 के अंत में, मैं बस यह कहानी सुनाता हूँ। इसलिये एसाव शिकार पर निकला है। वह एक शिकारी है। जैकब क्षेत्र का आदमी है। जैकब के पास कुछ स्टू है। वैसे स्टू किस रंग का था? लाल स्टू. क्या आपको यहां "लाल" पर नाटक मिलता है? बिग रेड के लिए लाल स्टू। तो बिग रेड अंदर आता है और वह भूख से मर रहा है। वह शिकार पर गया है और उसके पास भोजन नहीं है। वह जैकब के पास आता है और जैकब को यह लाल स्टू मिला है। "अरे, रेड, क्या तुम्हें कुछ रेड स्टू चाहिए?" रेड [एसाव] कहता है, "मैं भूखा मरने वाला हूँ। मेरा जन्मसिद्ध अधिकार क्या है?" तो मूलतः जैकब जन्मसिद्ध अधिकार के लिए वस्तु विनिमय करता है। जैकब कहते हैं, "तुम मुझे जन्मसिद्ध अधिकार दो और मैं तुम्हें स्टू दूंगा।" एसाव कहता है, "अगर मुझे वह स्टू नहीं मिला तो मैं मर जाऊंगा, इसलिए जन्मसिद्ध अधिकार की परवाह कौन करेगा?" वह नहीं करता। वैसे, क्या जन्मसिद्ध अधिकार के लिए वस्तु विनिमय करना वैध था? और जवाब है हाँ। हम यह अब उन नुजू कानूनों से जानते हैं। हमारे पास वास्तव में ऐसे कानून हैं जो कहते हैं कि अपने जन्मसिद्ध अधिकार के लिए वस्तु विनिमय करना बिल्कुल कानूनी है। वे हर चीज़ का सौदा करते हैं और आपके जन्मसिद्ध अधिकार का सौदा किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए कि यह कानूनी था, क्या इसका मतलब यह है कि यह अच्छा था? क्या जैकब अपने भाई के साथ अच्छा व्यवहार कर रहा था जब उसके पास खाना नहीं था? तो मैं कहना चाहता हूँ, यह कानूनी है। हम जानते हैं कि यह कानूनी है, लेकिन हम कह रहे हैं कि हमें यकीन नहीं है कि एसाव के साथ ऐसा करना सबसे अच्छी बात थी।

### **पी. जैकब का इसहाक से झूठ बोलना** [73:12-77:7]

अब इसहाक का धोखा, यहाँ क्या होता है? अध्याय 25 श्लोक 28 में एक बहुत ही घटिया कविता है। इसे देखें: "इसहाक, जिसे जंगली खेल का शौक था, एसाव से प्यार करता था। परन्तु रिबका याकूब से प्रेम करती थी।" क्या होता है जब पिता एक बच्चे से प्यार करता

है और माँ दूसरे बच्चे से प्यार करती है। माता-पिता का पक्षपात किस ओर ले जाता है? प्रतिद्वंद्वि भाई। और इसलिए आप इन भाई-बहनों में टकराव करवाते हैं। जब माता-पिता एक बच्चे को दूसरे बच्चे से अधिक पसंद करते हैं, तो आपके बच्चों के बीच युद्ध छिड़ जाएगा। तो यह माता-पिता के पक्षपात की समस्या है - पिता एसाव से प्यार करता है, माँ याकूब से प्यार करती है। अब यहां एक बड़ी समस्या होने वाली है।

अब क्या होगा? इसहाक बूढ़ा है। वह अंधा है। वह देख नहीं सकता। वह अपने बेटे एसाव को बुलाता है और वह कहता है, “एसाव, मैं अब तक का सबसे अच्छा स्टेक चाहता हूँ। और इसलिए बाहर जाओ और जानवर को गोली मारो और उसे वापस लाओ और उसे वैसे ही पकाओ जैसे मुझे पसंद है। फिर जब तुम उसे वापस लाओगे तो मैं तुम्हें आशीर्वाद दूँगा।” एसाव अपने धनुष और तीर के साथ ट्रक चलाने जाता है और वह बाहर जाकर इस जानवर को लेने जा रहा है। टेलीफोन कॉल कौन सुनता है? रिबका वहाँ है, वह पूरी बात सुनती है। वह योजना बनाती है, “अरे, जैकब, हमें अब एक कदम उठाना होगा। तुम्हारे पिता अंधे हैं।” क्या आप अंधे लोगों का फायदा उठाते हैं? बिल्कुल। “पिताजी आपको देख नहीं सकते इसलिए आप वहां जा रहे हैं।” लेकिन समस्या क्या है? पिताजी तुम्हें नहीं देख सकते लेकिन हैरी क्या है? हैरी बालों वाला है। तो जे एकोब कहते हैं, “मुझे ऐसा नहीं लगता।” तो माँ कहती है, “ठीक है, मेरे लिए एक बकरी ले आओ, हम बकरी को पका देंगे।” वैसे ये तो मुझे भी कहना चाहिए। क्या आप जानते हैं कि फ़िलिस्तीन में जो बकरे हैं, अगर आप कभी उन बकरों की पीठ को छूते हैं तो आपके हाथों में छींटे आ जाते हैं? बकरियों के बाल इतने घने और घने होते हैं, पृथ्वी पर कोई भी इंसान नहीं है जिसके बाल इतने घने और घने हों। तो यह इन बकरियों का पिछवाड़ा नहीं है। यह वास्तव में गंदे बाल हैं। बकरियों की निचली सतह पर, उनकी बगलों में और नीचे की तरफ, वास्तव में मुलायम चमड़े की तरह बहुत अच्छे बाल होते हैं। तो यही वह है जो उसने उतारकर उसे पहना होगा। तो वह उसे उस पर डाल देती है।

जैकब कहता है, “मैं भोजन के साथ यहाँ हूँ, पिताजी!” और अचानक ऐसा लगता है, “अरे, उसकी आवाज़ किसी और की आवाज़ जैसी लगती है।” वह उसे वहां बुलाता है। वह

क्या करती है? क्या वह जैकब की गर्दन और हाथ पकड़ता है? और वह कहता है, "ओह, उस लड़के के बाल तो हैरी ही होंगे।" तो वह खाना खा लेता है। वह याकूब को आशीर्वाद देता है और उसे सभी आशीर्वाद देता है। फिर जैकब तेजी से बाहर निकलता है और फिर आगे कौन आगे बढ़ता है? एसाव अंदर आता है और "मैं यहाँ हूँ, आपका बेटा एसाव जिससे आप प्यार करते हैं।" तब पिता को यह अहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है, वह घबरा गया। तो इस बिंदु पर पिता को धोखा दिया गया है और आपको यह तनाव मिलता है तो यह याकूब और एसाव के बीच होने वाला है। आशीर्वाद किसे मिलता है?

क्या पिता को एहसास हुआ कि उन्होंने गलत किया है? एसाव कहता है, "क्या बात है पिताजी, क्या आपको केवल एक ही आशीर्वाद मिला है?" इसहाक ने कहा, "मैंने याकूब को आशीर्वाद दिया और वह भी धन्य होगा।" मुझे लगता है कि इसहाक को एहसास हुआ कि उसे याकूब को आशीर्वाद देना चाहिए था क्योंकि यही परमेश्वर का वादा था। वैसे, क्या ईश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इस सारी चालाकी और बुराई का उपयोग करता है? परमेश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मानवीय बुराई का भी उपयोग करता है।

अगली बार एक संघर्ष होने वाला है और अगली बार हम इस संघर्ष को देखेंगे कि पिता के इस आशीर्वाद के लिए याकूब और एसाव के संघर्ष के साथ क्या हुआ। क्या आपमें से कुछ लोगों ने अपने पिता का आशीर्वाद महसूस किया है? मुझे बस यहीं खत्म करने दीजिए. क्या पिता का आशीर्वाद आपके लिए महत्वपूर्ण है? मुझे तब तक इंतजार करना पड़ा जब तक मैं लगभग 42 साल का नहीं हो गया जब तक मुझे अपने पिता का आशीर्वाद महसूस नहीं हुआ। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि आप में से कुछ लोग जानते हैं कि अपने पिता का आशीर्वाद पाने का क्या मतलब होता है। यह खूबसूरत चीज़ है। तो फिर भी, हम अगला इलाज याकूब और एसाव का करेंगे। हम अगली बार आपसे मिलेंगे. संख्याओं पर काम करना शुरू करें.